शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

काव्यांजलि दैनिक सृजन

क्रमांक 3501 से 3600 तक

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। #9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3501

दिनांक- 01-12-2021 दिन- बुधवार

अंकल हाथी

हाथी अंकल बहुत बड़े,
सूंड घुमाते मस्त चलें।
तोंद बड़ी है मोटी सी,
पूँछ, आँखें हैं छोटी सी।।

चार पैर मोटे खंभे से,
कान बड़े- बड़े पंखे से।
सूंड से करते सारे काम,
जंगल ही है इनका धाम।।

पर्यावरण के सच्चे साथी,
खाते गन्ना, केला, पाती।
रूठ जाएँ तो कौन मनाए,
महावत जी को शीघ्र बुलाएँ।।

रचना-

हेमवती (प्र०अ०)
उ०प्रा०वि० छजलैट
वि०खं०- छजलैट
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3502

दिनांक-
01/12/2021

दिन-
बुद्धवार

टिम-टिम तारे

टिम-टिम, टिम-टिम करते तारे।
न्यारे-न्यारे लगते कितने प्यारे।।
जी करता में तोड़ के लाऊँ।
घर में उनको मैं सजाऊँ।।

कोशिश करूँ पर गिन ना पाऊँ।
गिनते-गिनते भूल मैं जाऊँ।।
रात में हैं मुझको यह दिखते।
सुबह कहाँ गायब हो जाते?

आसमां को झिल-मिल करते।
छुपन-छुपाई भी हैं खेलते।।
कोई छोटा,कोई बड़ा है लगता।
दूर हैं रहते, झगड़ा ना होता।।

कैसे इनके पास मैं जाऊँ?
नया खेल इनको मैं खिलाऊँ।।
कहूँगी फिर दिन में भी आना,
सूरज का साथी बन जाना।।

रचना-
प्रतिमा पोद्दार (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3503

दिनांक- 01.12.2021 दिन- बुधवार

किसान

बोझ जिम्मेदारियों का,
अकेला वही उठाता है।
मिले न दो निवाले कभी तो,
वह भूखा ही सो जाता है।।

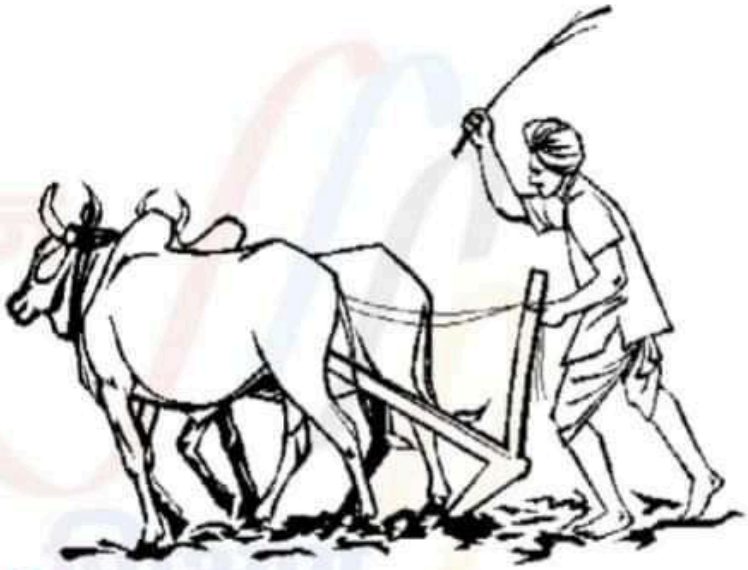

कष्ट न देती धूप दिवस की,
न अँधेरी रात डराती है।
डटा रहे हर समय खेत में,
जब तक न फसल पक जाती है।।

सूरज के उगने से पहले,
वो पहुँच खेत में जाता है।
वह करे परिश्रम खेत में,
समय की मार भी सहता है।।

आलस तनिक न तन में रहता
भय न कभी भी मन में रहता।
कोई भी विपदा आ जाए,
हँसकर वह सब कुछ है सहता।।

रचना-
दमयन्ती राणा (स०अ०)
रा०उ०प्रा०वि० ईड़ाबधाणी,
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3504

दिनांक-01.12.2021 दिन-बुधवार

गुरु नानक देव जी (भाग-02)

"श्रीचन्द" व "लखमीदास" पुत्र देख,
नानक न फूले समाये।
आगे चलकर श्रीचन्द,
उदासी सम्प्रदाय के प्रवर्तक कहाये।।

"गुरु ग्रन्थ साहिब" व "गुरुवाणी",
हैं इनकी प्रमुख रचनाएँ।
"लहना" नामक उत्तराधिकारी, घोषित
"गुरु अंगद देव" कहलाये।।

भक्ति में लीन गुरु ने,
करतारपुर नगर बसाया।
जनमानस ने पन्द्रह सौ उन्तालीस में,
महान गुरु गँवाया।।

अब तलवण्डी स्थान कहलाये,
"ननकाना साहिब"।
ज्ञान, आलोक व मार्गदर्शन रूप में,
निकट हैं हमारे "गुरु ग्रन्थ साहिब"।।

रचना

आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3505

दिनांक- 01.12.2021 दिन- बुधवार

नन्ही परी

खुशियों की लेकर सौगात,
घर में आयी नन्ही परी।
आँगन में गूँजी किलकारी
जीवन बगिया हुई हरी।।

कोमल कितनी नाजुक है,
जैसे नयी हो कली खिली।
नन्हें रुई सदृश हाथों से,
थामेगी पापा की ऊँगली।।

मासूमियत से भरा चेहरा,
मुलायम है वो रेशम सी।
कितने दर्द सहे हैं माँ ने,
उस दर्द का मरहम सी।।

एक अजब एहसास लिए,
ह्रदय पुलकित, खुश हर जन।
पापा को नया संसार मिला,
माँ ने पाया है नवजीवन।।

रचना

अनुपमा यादव (स० अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
वि० क्षे०- शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3506

दिनांक- 01.12.2021 दिन- बुधवार

क्लास रूम

ऐसा सुन्दर क्लास रूम हम बनाएँगे,
जिसमें पढ़ाई तो हम कराएँगे ही।
पर साथ में खेलकूद के साथ हम,
अनेक गतिविधियाँ भी कराएँगे।।

सुन्दर-सुन्दर टी० एल० एम० बनाकर,
अपनी क्लास को हम सजाएँगे।
भौतिक परिवेश का ज्ञान कराकर,
बच्चों का सामान्य ज्ञान बढाएँगे।।

मिलजुलकर सब रहेंगे क्लास में,
बच्चों में ना कोई द्वेष-भाव होगा।
अच्छी-अच्छी बातें सीखेंगे सभी,
क्लास में ना कोई लड़ाई-झगड़ा होगा।।

क्लास का वातावरण ऐसा होगा,
जिसमें जो कोई भी करे प्रवेश।
मन प्रफुल्लित हो जाएगा उसका,
देख कक्षा का सुन्दर परिवेश।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3507

दिनांक- 1/12/2021 दिन- बुधवार

मोर

मोर आया, मोर आया,
उड़ते-उड़ते मोर आया।
मोर आवाज करता है,
क्याऊ-क्याऊ बोलता है।।

मीठी बोली बोलता है,
नीला,पीला और सफेद।
रंग-बिरंगे होते मोर,
राष्ट्रीय पक्षी होता मोर।।

प्यारा-प्यारा होता मोर,
न्यारा-न्यारा होता मोर।
जंगल में रहता है मोर,
मोर आया, मोर आया।।

रचना

कु० दिव्या (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3508

दिनांक- 02-12-2021 दिन- गुरुवार

जिन्दगी

ज़िन्दगी में सुख-दुःख का बराबर हिस्सा है,
क्या बताऊँ, यह अज़ीबोगरीब किस्सा है।
इसके सही मायने को कोई, समझ नहीं पाया है,
जिसने भी इसे समझ लिया, वह समझा नहीं पाया है।।

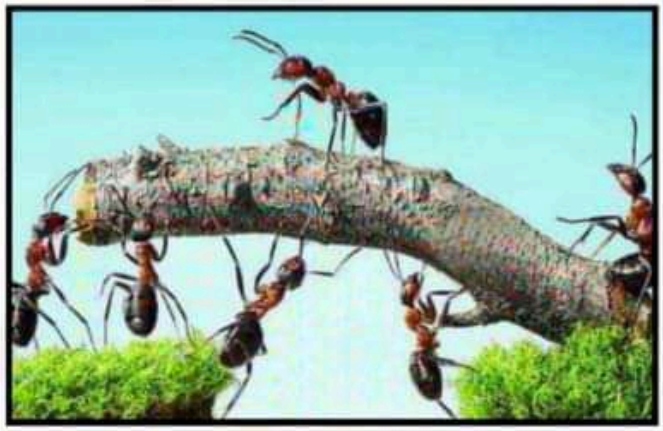

कहने को तो ज़िन्दगी, बहुत छोटी होती है,
मगर दुःखों से भरी हो, तो इससे लम्बा कुछ नहीं।
आता है ज़िन्दगी में कभी समय ऐसा भी,
पाना चाहते हैं आसमां, हाथ आता कुछ नहीं।।

ये संघर्षों से लड़कर, हमें इतना मजबूत बनाती है,
जैसे चींटी गिर-गिर कर एक दिन पहाड़ चढ़ जाती है।
मुश्किलों में भी खुश होकर जो सारा जीवन जी लेता है,
दुःखों को हराकर वह खुशियाँ हासिल कर लेता है।।

मैं कभी यह नहीं कहूँगी कि मुझको कोई दुःख ना दो,
बस संघर्षों से लड़ने की मुझको तुम सारी क्षमता दो।
हे ईश्वर! मेरी यही प्रार्थना तुम पूरी कर देना,
जीवन के हर हालातों में बस मुझको तुम हिम्मत देना।।

रचना-
आरजू पाण्डेय (स०अ०)
प्रा०वि०शीतलपुर
जनपद- एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3509

दिनांक- 02-12-2021 दिन- गुरुवार

सरिता जल करे पुकार

करना होगा हमें विचार,
सरिता जल करे पुकार।
जल जीवन का है आधार,
संकट में सकल संसार।

मलिन पवित्रता होती जाये,
धैर्य स्वयं का खोती जाये।
जिसने सबके पाप धुलाये,
वे अपना दुःख किसे सुनायें।

खेत खलिहानों को जीवन देतीं,
नदियाँ परोपकारी अविरल बहतीं।
निरन्तर मानव अत्याचार सहतीं,
हो प्रदूषित भी चुप ही रहतीं।

जो अब भी रहेंगे हम सब मौन,
सोचो, विकास दिलाएगा कौन?
सांस्कृतिक धरोहर कहलाएगा कौन?
निर्मल जल पिलाएगा कौन?

रचना-
दीप्ति खुराना(स०अ०)
उ०प्रा०वि०पंडिया
(कक्षा 1-8)
कुंदरकी, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3510

दिनांक- 02/12/2021 दिन- गुरुवार

आर्यभट्ट प्रथम

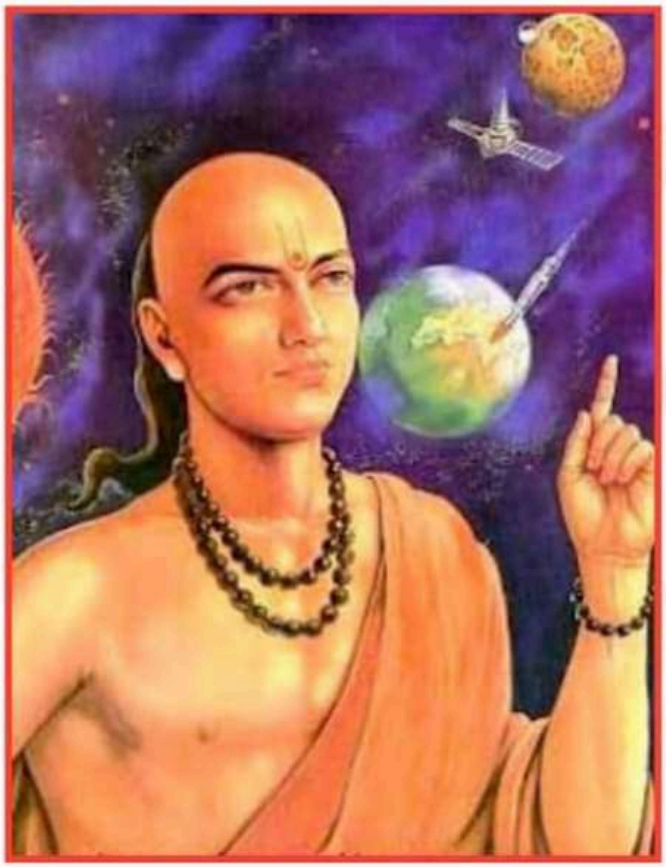

जन्म सन् 476 ईसवी,
महान गणितज्ञ खगोलशास्त्री।
आर्यभट्ट प्रथम नाम था,
आर्यभटीय की रचना की।।

वर्गमूल तथा घनमूल,
निकालने की विधियाँ दीं।
कुल 33 सूत्र देकर,
अंकगणित की सेवा की।।

पृथ्वी करती सूर्य परिक्रमा,
बहुत पहले था सिद्ध किया।
आर्कमिडीज से अधिक सही,
मान पाई का आपने दिया।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3511

दिनांक- 02.12.2021 दिन- गुरुवार

बेटी का मान-सम्मान

बेटी को न समझो भार,
यही तो है मान-सम्मान।
बेटी ने अपना रूप सँवारा,
और देश का मान बढ़ाया।।

क्यों करते हैं लड़कियों पर,
अत्याचार ये देश के लोग।
बेटी ने दो घरों का मेल बनाया,
फिर भी प्यार किसी का न पाया।।

बहू बनकर घर को सम्भाला,
माँ बनकर अपना फर्ज निभाया।
इनका भी है जीवन यार,
कोई तो समझो इनका प्यार।।

जाने कैसा है इन्सान,
क्यों न समझा बेटियों का ज्ञान।
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ,
इस नारे को आगे बढ़ाओ।

रचना
कु० तनीषा बिष्ट (छात्रा)
कक्षा - 8
रा० बा० इ० का० अल्मोड़ा
ब्लॉक- लमगड़ा, अल्मोड़ा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3512

दिनांक- 02.12.2021 दिन-गुरुवार

बनारस

गंगा तट पर बसा नगर,
देव नगरी कहलाता यह।
देव भक्ति में डूबा शहर,
शिव की महिमा गाता यह।

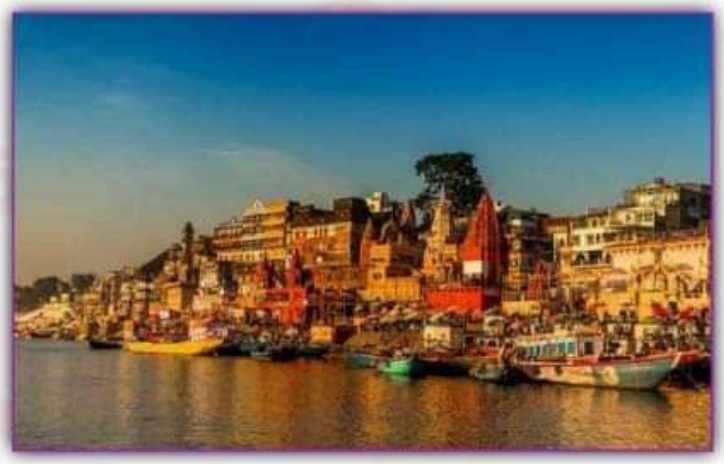

घाट यहाँ के निर्मल सुन्दर,
गंगा बहती जहाँ अविरल।
तुलसी मानस मन्दिर जहाँ
संकट मोचन मन्दिर वहाँ।।

सारनाथ है शोभा जिसकी,
तो विश्वनाथ है आभा उसकी।
कृष्ण लीलाएँ, इस्कॉन दिखाये,
तो काल भैरव, शिव को दर्शाये।।

यहाँ की हवा मन को लुभाये,
भारत का सिरमौर कहलाये।
यहाँ मिले जीवन का हर रस,
इसलिए कहते इसे बनारस।।

रचना

नम्रता मौर्या (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3513

दिनांक- 02.12.2021 दिन- गुरुवार

यातायात के साधन

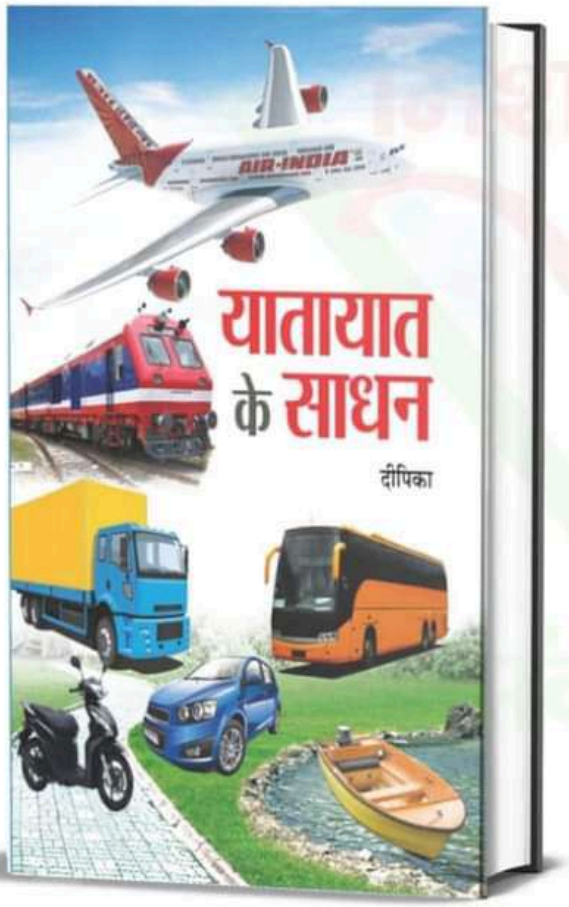

वह साधन जो हमें झटपट पहुँचाते,
एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाते।
बस, हवाई जहाज, स्कूटर, नाव, रेल,
सारे यातायात के साधन कहलाते।।

यातायात के लिए सबसे आसान,
थल मार्ग परिवहन माना जाता है।
थल परिवहन नियमों का पालन कर,
ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया जाता है।।

वर्तमान में सबसे बड़ी आबादी,
रेलवे यात्रा का सहारा लेती है।
लोकल, मेट्रो और एक्सप्रेस ट्रेन,
यात्रा सुगम और सरल बनाती हैं।।

नाव, जहाज, जल परिवहन का,
प्रमुख और सुलभ साधन हैं।
लम्बी दूरी कम समय में तय करने,
को हवाई यातायात श्रेष्ठ साधन है।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3514

दिनांक- 03.12.2021 दिन-शुक्रवार

गाँधी जी के बन्दर तीन

गाँधी जी के बन्दर तीन,
देते हैं हमको बढ़िया सीख।
हाथों पर अपने करना विश्वास,
नहीं माँगना किसी से भी भीख।

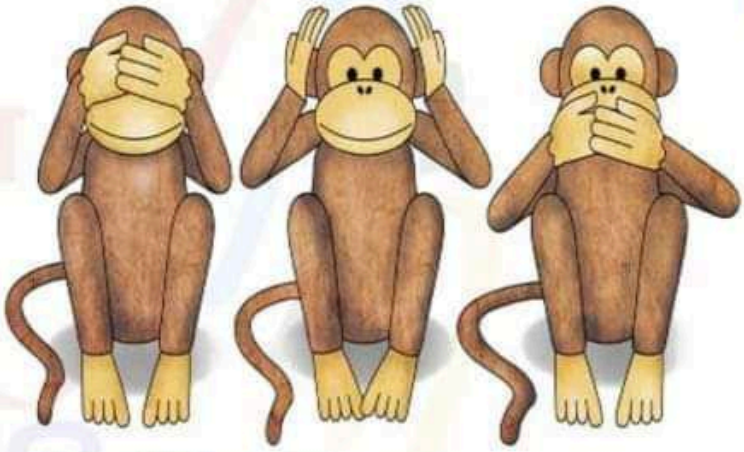

बुरा न देखना, बुरा न सुनना,
बुरा किसी को ना कहना।
किसी के दिल को ठेस लगे,
ऐसा काम कभी ना करना।।

झूठ नहीं तुम कभी बोलना,
सत्य का दामन थामे रखना।
जीत तुम्हारी होगी एक दिन,
धैर्य के संग आगे बढ़ते रहना।।

रचना

शशि कुशवाहा (स०अ०)
क० वि० रामपुर घेरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3515

दिनांक- 03-12-2021 दिन- शुक्रवार

जल

ईश्वर की अनमोल कृति जल,
कल-कल, छल-छल बहता नित जल।
दिन-भर, रजनी-भर बिन रुके निरन्तर,
निर्मल करता पृथ्वी का अन्त:स्थल।

मानुष, प्राणी हो या वनाञ्चल,
तृप्त होता सबका उदराञ्चल।
लम्बी नदियाँ, गहरे सागर,
ईश्वर की ही रचना के हैं फल।

रिमझिम बरसे वर्षा का जल,
आओ संचय करें मिलजुल कर।
सूखी धरती हो ना पाए,
भूमिगत जल को आओ बचाएँ।

रचना

ज्योति शर्मा (स०अ०)
पू०मा०वि०गिंदौड़ा
मुरादाबाद (ग्रामीण)
जिला- मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3516

दिनांक- 03/12 /2021 दिन- शुक्रवार

रिश्ता

भाई -बहन
जैसे आत्मा व तन
रिश्ता पावन

रिश्ता प्रीत का
ज्यों मन से मीत का
सुर-गीत का

रिश्ता आस का
मन से विश्वास का
तन-श्वास का

रिश्ता अमीष
जगत-जगदीश
माँ व आशीष

रिश्ते ये सच्चे
न कभी धागे कच्चे
लगते अच्छे

रचना -

फ़राह हारून "वफ़ा" (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़ियाभांसी,
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3617

दिनांक- 03-12-2021 दिन- शुक्रवार

रंग-बिरंगी सब्जियाँ

बोली शरमा के भिण्डी रानी,
बैंगन है राजा, तो मैं हूँ रानी।
क्या सर पे नही है मेरे ताज?
दावतों में उठाते सब मेरे नाज।।

लाल टमाटर लाला आये,
साथ में चुकन्दर लाली लजाये।
गोल-मटोल आलू भूरे-भूरे,
आलू पकौड़े सुनहरे-सुनहरे।।

कपड़ों पर कपड़े पहने,
प्याजी लाल के क्या कहने।
पालक-मेथी और चौलाई
कम न समझो इनको भाई।।

कद्दू दद्दू बड़े रंगीले,
पूड़ी के साथ बड़े फबीले।
लौकी, गोभी, पालक, मूली,
सब के सब हैं कितने सजीले।।

रचना
प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3518

दिनांक- 03/12/2021 दिन- शनिवार

विश्व विकलांगता दिवस

मानव जीवन बहुमूल्य मत मन को मारो,
चिकित्सा, संसाधन हैं हिम्मत मत हारो।
कुछ कर गुजरने का आत्मबल उच्च रखना,
सुयोग्य 'दिव्यांग' बनकर जीवन सँवारो।।
हिम्मत और साहस बढ़ता रहे तुम्हारा,
शासन, सामाजिक लाभों का लो सहारा।
पढ़कर के अनवरत सफल होगे जग में,
अवरोध न रोक पाएँ कहे मन हमारा।।

दिव्यांगता को ऐसी ताकत बनाओ,
अपने व्यक्तित्व में अभीष्ट निखार लाओ।
राष्ट्रप्रेम, परिवार, समाजहित ध्यान रख,
अपना जीवन सँवार मिसाल बन जाओ।।
श्रम, दृढ़संकल्प से राह बन जाती,
अनमोल मानव जीवन को सुखद बनाती।
समय का मूल्य समय पर समझना जरूरी,
समय चूकने पर घड़ी लौटकर न आती।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3519 सड़क सुरक्षा (भाग-1)

दिनांक- 03/12/2021 दिन- शुक्रवार

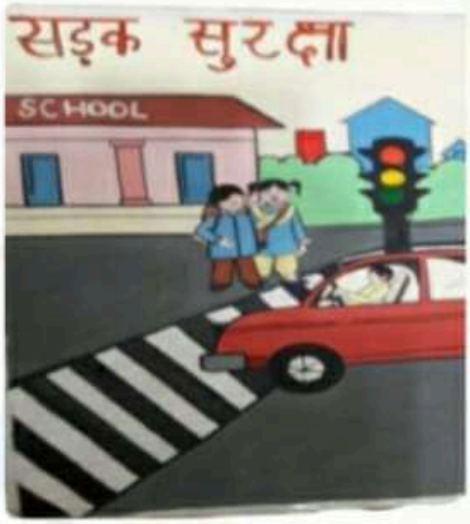

सड़क सुरक्षा को अपनाना है,
अभिभावकों को जागरुक बनाना है।
एस० एम० सी० के प्रशिक्षण में,
सभी को नियम भी बताना है।।

अभिभावकों को जरुर जागरुक बनाएँ,
सभी सड़क सुरक्षा नियम अपनाएँ।
वे सभी बच्चों को नियम जरुर बताएँ,
सड़क सुरक्षा नियम जानें व अपनाएँ।।

जब भी तुम विद्यालय आओ,
बीच सड़क में कभी ना जाओ।
सड़क सुरक्षा नियम अपनाओ,
जीवन अनमोल अपना बचाओ।।

रास्ते में जब भी एकाएक गाड़ी आये,
बच्चों! तुम बिल्कुल नहीं घबराना।
सभी बच्चे बाँयी ओर खड़े होकर,
अनमोल जीवन अपना बचाना।।

रचना-
बीना कठैत (स०अ०)
रा० प्रा० वि०- मगरू
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3520

दिनांक- 04.12.2021 दिन- शनिवार

मेरा घर

कितना प्यारा-प्यारा है!
मेरा सुन्दर-सुन्दर घर।
अपनों के संग रहती हूँ,
सबसे अच्छा मेरा घर।।

माँ है मेरी प्यारी सी,
जो मुझको दुलराती है।
भोजन देती बड़े प्यार से,
दे थपकियाँ सुलाती है।।

दादा-दादी, माँ-पापा से,
भी ज्यादा हमको प्यारे।
मिलकर कहें कहानी दोनों,
सारे जग से हैं न्यारे।।

पापा मेरे आफिस जाते,
खेल-खिलौने लाते हैं।
और छुट्टियों में पापाजी,
मुझको खूब घुमाते हैं।।

हम दोनों भाई और बहना,
रहते आपस में मिलकर।
खेलते-पढ़ते साथ-साथ हम,
मस्ती करते हैं मिलकर।।

शिखा वर्मा (इं0प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3521

दिनांक- 04-12-2021 दिन- शनिवार

संविधान

हमारा संविधान,
देश की है शान।
संविधान के निर्माता,
डॉ० अम्बेडकर हैं महान।।

26 नवम्बर 1949 को,
पारित हुआ संविधान।
26 जनवरी 1950 को,
लागू हुआ संविधान।।

पूर्ण रूप से न्याय मिले,
सबको अवसर मिले समान।
कर्तव्य और अधिकार की,
बात करता है संविधान।।

2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन में,
पूर्ण हुआ है संविधान।
भेद-भाव का नाम नहीं है,
हर नागरिक का है समाधान।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3522

दिनांक- 04/12/2021 दिन- शनिवार

औरत

हौसलों के साथ बढ़ रही है वो,
कन्धे से कन्धा मिला चल रही है वो।
बेटी, बहन, पत्नी और माँ,
ना जाने कितने रूपों में ढल रही है वो।।

रूढ़ियों, रीतियों की जंजीरों में जकड़ी हुयी,
हर फर्ज को निभाती ही जा रही है वो।
टूटती-जुड़ती उम्मीदों के साथ,
अन्तर्द्वन्द से लड़ती ही जा रही है वो।।

बढ़ाती है कदम-दर-कदम इस उम्मीद से,
सहयोग मिले तो बेहतर मुकाम बना रही है वो।
ना जाने क्या खो देने के डर से,
गलतियाँ करने से डरती ही जा रही है वो।।

सब कुछ सुलझाने की जिद में,
खोते सुकून को ढूँढती ही जा रही है वो।
हर मोड़ पर नयी चुनौतियों के साथ,
जीवन पथ पर बढ़ती ही जा रही है वो।।

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3523

दिनांक- 04-12-2021 दिन- शनिवार

शीतऋतु के त्योहार

राम-राम जी राम-राम,
पूरे कर लो सारे काम।
अश्विन-कार्तिक की ऋतु शरद है,
श्राद्ध, नवरात्रि, दशहरा प्रसिद्ध है।।

कार्तिक-मार्गशीर्ष-पौष महीना,
हेमन्त ऋतु भी है नगीना,
दीवाली संग ढ़ेरों त्योहार हैं आते,
हम सब बच्चे मौज मनाते।।

माघ-फाल्गुन में इतनी ठण्ड,
सब घर में हो जाते बन्द,
मकर संक्रान्ति, महाशिवरात्रि पर्व,
इन उत्सव पर हमको गर्व।

शीत ऋतु में है आनन्द,
काढ़े को अब करो पसन्द।
मेथी-लड्डू, तिल, बाजरा के व्यंजन,
इनका अवश्य करें सेवन।

रचना-

निहारिका वर्मा (स० अ०)
उ० प्रा० वि० भूपालपुर,
निधौली कलाँ (1-8), एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3524

दिनांक-04-12-2021 दिन- शनिवार

Mother Nature

I am Mother Nature.
You are my creature.
The things I share,
Help you live here.
Caring is holy spirit.
Plz don't cross limit.
Enjoy my all beauty
But fulfill your duty.
My world is wonderful.
Your greed is harmful.
Love me and be sensible
Else you will be responsible.

Creation
Rajeev Kumar Gurjar
P.S.Bahadurpur Rajpoot
Block- Kundarki
Dist.- Moradabad

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3525

दिनांक- 04.12.2021 दिन- शनिवार

सूर्यदेव तुम्हें प्रणाम

सूर्य की पहली किरण,
करती ऊर्जा का संचार है।
निशा की कालिमा का,
करे अरूणोदय से संहार है।।

जीवन को गति देता,
सूर्य तुम्हारा प्रकाश है।
पृथ्वी करे परिक्रमा तुम्हारी,
तुम ही से दिन और रात है।।

बीज के अंकुरण में,
कुदरत के सन्तुलन में।
सृष्टि के कण-कण में,
मिट्टी की रज-रज में।।

हर जगह आप निहित हो,
जीवन दाता आप मिहिर हो।
मुझे भी प्रकाशमान बनाओ,
मुझे भी आशावान बनाओ।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3526

दिनांक-06/12/2021 दिन- सोमवार

बच्चे

आते घर से,
हँसते चहकते,
प्यारे से बच्चे।।

लादके बस्ता,
कन्धे पर अपने,
नन्हे से बच्चे।।

खिले फूलों से,
महकते चलते।
मुस्काते बच्चे।।

हँसते ऐसे,
पहाड़ी से झरना,
झरता जैसे बच्चे।।

पढ़ें किताबें,
कविता, कहानियाँ,
अच्छे से बच्चे।।

थोड़ा सा कच्चे,
इरादों के हैं पक्के,
सच्चे से बच्चे।।

रचना-
भागीरथी पाण्डे (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० परमा
वि०ख० - हल्द्वानी, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3527

दिनांक- 06/12/2021 दिन-सोमवार

सुन्दरता

ईश्वर की बनाई हर कृति सुन्दर है,
प्रारम्भ सुन्दर है, इति सुन्दर है।
वस्तु में निहित संस्कार सुन्दर है,
भावों में बसी संस्कृति सुन्दर है।।

मन की सुन्दरता तन से है जरूरी,
सुन्दरता तन की होती अधूरी।
आत्मा में जब जागता है सौन्दर्य,
तभी सुन्दरता होती है पूरी।।

सुन्दरता का नहीं कोई आईना,
नजरों में होती है सुन्दरता।
नापा न जा सकता सुन्दरता को,
सुन्दर कर्मों से होती सुन्दरता।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

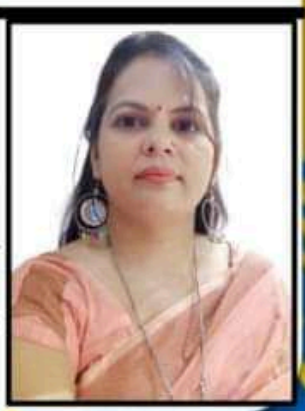

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3528

दिनांक- 06.12.2021 दिन- सोमवार

सर्दी का मौसम

सर्दियों के सर्द मौसम में,
ठण्डी-ठण्डी चले पुरवाई।
ठिठुरन बढने लगी मौसम में,
निकले गर्म कम्बल रजाई।।

धूप लगने लगी सुहावनी,
अलाव तपिश मन को भायी।
साँझ ढले लोग घरों में दुबके,
रजाई में घुसकर आये गरमाई।।

काजू, किशमिश, बादाम, मूँगफली,
खाकर शरीर की क्षमता बढ़ायी।
परिवार में गपशप संग गर्म व्यंजन,
चाय की चुस्की मन को भायी।।

घना कोहरा छाया मौसम में,
दिन में अँधेरी निशा छायी।
वाहन चलते रेंग-रेंग कर,
मंजिलों ने भी दूरी बढ़ायी।।

रचना
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3529

दिनांक- 06.12.2021 दिन- सोमवार

गेंदा

पीले, नारंगी, बसन्ती, सुनहरे,
कई आकार के फूल खिले।
हरे-भरे, नन्हे पौधों पर,
गेंदा के हैं फूल खिले।।

कई औषधीय गुणों से भरे,
बहुतायत जलवायु में मिलें।
हर मौसम में, हर मिट्टी पर,
गमले, बाग-बगीचे में खिलें।।

मालाओं में ख़ूब गुथे,
कभी प्रभु चरणों पर चढ़ें।
तो कभी सज अर्थी पर,
कभी किसी डोली पर सजे।।

अफ्रीकी गेंदा-गेंदा फ्रेंच,
भारत में बहुतायत खिलें।
पीले वर्णक का स्रोत बन,
कभी मुर्गियों के दाने में मिलें।।

रचना

सुप्रिया सिंह (स०अ०)
क० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3530

दिनांक- 07.12.2021 दिन-मंगलवार

नैमिषारण्य धाम

गोमती तट पर बसा तीर्थ,
है सीतापुर की पहचान।
कहलाती दधीचि की तपस्थली,
जो थे ऋषिवर महान।।

है चक्र तीर्थ से शोभा जिसकी,
तो शक्तिपीठ हैं आभा उसकी।
माँ ललिता देवी यहाँ विराजे,
जिससे पौराणिक नगरी साजे।।

मनु सतरूपा, हनुमान गढ़ी, राम जानकी,
त्रिशक्ति, बालाजी व चारोंधाम मन्दिर यहाँ।
है पंचप्रयाग व 84 कोसीय परिक्रमा विख्यात,
ख्याति 88 हजार ऋषियों के व्याख्यान की जहाँ।।

कहलाता यह पृथ्वी का मध्य भाग,
महिमा गाते जिसकी उपनिषदों के संभाग।
मिलते यहाँ सनातन सँस्कृति के विविध तत्व,
जो प्राणिमात्र को प्रदान करते रहते अमरत्व।।

रचना
प्रेम प्रकाश वर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० पचुरखी
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3531

दिनांक- 06.12.2021 दिन- सोमवार

मेरा छाता

मेरा छाता कितना प्यारा!
नीले-पीले रंगो वाला।
बारिश-धूप से मुझे बचाता,
अपनी छाँव में मुझको रखता।।

जब भी धूप में बाहर जाता,
संग मेरे मेरा छाता रहता।
कड़ी धूप सूरज की जब लगती,
छाता खोल के मैं छुप जाता।।

छम-छम बारिश जब भी होती,
मुझको कभी भिगो न पाती।
छाते पर गिर-गिर कर बूँदें,
मुझे मधुर संगीत सुनाती।।

इन्द्रधनुष के रंगों वाला,
मेरा छाता मुझको प्यारा।
पास उसे मैं हरदम रखता,
मेरा ख्याल मेरा छाता रखता।।

रचना -
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3532

दिनांक- 07/12/2021 दिन- मंगलवार

भारतीय संस्कृति

भारत की प्राचीन संस्कृति,
देती हमको हर पल सीख।
करो बड़ों का आदर-सम्मान,
रखो उनसे हर दम प्रीत।।

जीवन में आये जो मुश्किल,
उससे तुम लड़ना सीख।
राह सरल हो जाएगी,
हौसलों से आगे चलना सीख।।

सुख-दुःख जीवन में आते रहते,
इनसे लो तुम हर पल सीख।
महापुरुषों के जीवन से लो प्रेरणा,
होगी तुम्हारी निश्चय जीत।।

करो तुम विरोध गलत का,
हर मुश्किल से टकराओ।
जीवन का यही सत्य है,
आदर्श मूल्यों को अपनाओ।।

रचना -
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3533

दिनांक- 06/12/2021 दिन- मंगलवार

माता और पिता

माँ धरा है, पिता गगन है,
दोनों के चरणों में नमन है।
दोनों से ही जीवन आस है,
दोनों पर ही अटल विश्वास है।।

माँ पर है तो लिखा बहुत कुछ,
पिता को पर क्यों भूले हम।
भूल गये उन हाथों को क्यों,
जिनमें झूला झूले हम।।

जिनके सिर पर हाथ दोनों का,
नहीं उन सा कोई भाग्यशाली।
छोड़ दिया है माता-पिता को,
उसने स्वयं को ही दी गाली।।

घर पर बैठे माता-पिता हैं,
फिर क्यों मन्दिर जाते तुम।
साक्षात ईश्वर है घर पर,
उनको क्यों नहीं मनाते तुम।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3534

दिनांक- 07-12-2021 दिन- मंगलवार

प्यारे बच्चे

बच्चे होते मन के सच्चे,
मिट्टी के होते घड़े ये कच्चे।
हम जैसा इन्हें बनायेंगे,
वही रूप ये पायेंगे।।

बच्चे होते कोरा कागज,
नादान हैं होते और सहज।
जो इन पर लिख जायेंगे,
वही सीख ये पायेंगे।।

बच्चे होते बहता पानी,
अच्छी लगती इनकी नादानी।
जिधर रास्ता दिखायेंगे,
उधर ही ये बह जायेंगे।।

बच्चे होते नन्हें पौधे,
करते नहीं हैं कोई सौदे।
अच्छी देखभाल पायेंगे,
तभी वृक्ष बन पायेंगे।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3535

दिनांक- 07-12-2021 दिन- मंगलवार

खुद का युद्ध

कब तक अबला बनकर जीना,
ये तुम पर ही अब निर्भर होगा।
कैसे जी पाओगी द्रौपदी बनकर,
ये तुम पर ही अब निर्भर होगा।।

चीर हरण पर तेरे हे! द्रोपदी सुन,
अब कृष्णावतार नहीं होगा।
घर-घर में बैठा है दु:शासन अब,
दु:शासन वध खुद करना होगा।।

ये युद्ध तेरा अब तेरा खुद से है,
युद्ध तुझे ही खुद करना होगा।
हो कोई भी हताहत रणभूमि में,
पर अब युद्ध विराम नहीं होगा।।

माना कि तूने ये जीवन संग्राम,
खुद से बहुतायत बार लड़ा होगा।
पर अपनी खुद की मर्यादा में ये,
हे! द्रोपदी, महाभारत से बड़ा होगा।।

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
जौंरा, औरैया।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3536

दिनांक-
6-12-2021

दिन-
सोमवार

परिवार

हमारा-तुम्हारा प्यारा परिवार,
इन्द्रधनुष सी छटा बिखेरता परिवार।
रिश्तों को आपस मे समेटता परिवार,
जीवन को नई उमंग उल्लास देता परिवार।।

बुजुर्गो से संस्कृति सहजता परिवार,
विश्वास की नींव पर खड़ा परिवार।
बच्चों की किलकारी से गूँजता परिवार,
खट्टी-मीठी नोक-झोंक झलकाता परिवार।।

संस्कार, रीति, रिवाज सिखाता परिवार,
प्यार, समर्पण सींचता परिवार।
दान, परोपकार की शिक्षा देता परिवार,
समय पर एक दूसरे के लिए खड़ा रहता परिवार।।

देश धर्म की रक्षा करता परिवार,
अनेकता में एकता का संदेश देता परिवार।
ईश्वर मे आस्था जगाता परिवार,
मोतियों को एक माला मे पुरौता परिवार।।

रचना- प्रियंका गौतम (प्र०अ०)
स० वि० (बालिका) एत्मादपुर
एत्मादपुर, आगरा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3537

दिनांक- 07-12-2021 दिन- मंगलवार

मिट्ठू लाल

ये है मिस्टर मिट्ठू लाल,
बातें करते बड़ी कमाल।
झूले पर बैठे हैं ऐसे,
सावन की ऋतु आई हो जैसे।।

पंख हरे हैं फैलाए,
लाल चोंच से बात बनाये।
हरी मिर्च इनको है भाये,
नकल सबकी खूब बनाये।।

जंगल को यह वास बनायें,
अनेक घरों में इनको पायें।
बाग-बाग में उड़ते जायें,
राम नाम का पाठ पढ़ायें।।

रचना
ज्योति शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गिंदौड़ा
मुरादाबाद (ग्रामीण)
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3538

दिनांक- 07.12.2021 दिन- मंगलवार

कैप्टन विक्रम बत्रा

याद आ गयी आज उस वीर की दास्तान,
समर्पित की देश प्रेम में जिसने अपनी जान।

शक्ति और वीरता का प्रतीक था जिसका नाम,
उस वीर कैप्टन विक्रम को मेरा शत-शत प्रणाम।

बचपन से ही देश सेवा की थी दिल में ठानी,
मेहनत की सीढ़ी पर चढ़कर बन गया वो सेनानी।

बाइस वर्ष की आयु में ही कर लिया पूरा सपना,
लेफ्टिनेंट पद पाने से खुश था हर एक अपना।

जून महीना सन् 1999 भेजा कारगिल युद्ध पर,
बने कैप्टन विक्रम बत्रा बोला धावा शत्रु पर।

"शेरशाह" दिया कोड नाम वो था सचमुच में शेर,
दुश्मनों के लगा दिये थे लाशों के उसने ढेर।

निडरता से लड़ते-लड़ते दिया खुद का बलिदान,
साहस और पराक्रम पर मिला परमवीर चक्र सम्मान।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3539

दिनांक- 07/12/2021 दिन- मंगलवार

पिरोये रखना

पिरोये रखना हमें भी उस धागे में,
चम्पा, चमेली, गेंदा, सूरजमुखी की तरह
सपना लेकर आये हैं हम बनने का,
सचिन तेंदुलकर, हिमा दास की तरह।।

दिल में उमंग है दौड़ लगाने की,
आसमान छूने की चिड़ियों की तरह।
पिरोए रखना हमें भी उस धागे में,
बुराँस, फ्यूँली, कमल, गुलाब की तरह।।

कैरम बोर्ड, साँप- सीढ़ी, लूडो में,
कुछ हिस्सा हमें भी देना।
सपना लेकर आये हैं हम,
उस धागे में हमें भी सजाये रखना।।

रचना
बसन्ती शाह (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० कुमड़ी
वि०ख० - जखोली, रूद्रप्रयाग

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3540

दिनांक- 08.12.2021 दिन- बुधवार

एक परी

नन्हें-नन्हें पड़े शुभ कदम,
एक परी मेरे घर आयी।
सारे घर में चहल-पहल है,
हर कोने में रौनक छायी।।

प्यारी सूरत, आँखों में चमक,
मासूमियत से भरी डली।
सारे जग की है कोमलता,
जैसे नव पुष्पित हुयी कली।।

चेहरों पर मुस्कान है आयी,
किलकारी गूँजी घर आँगन।
लेकर आयी नया संसार,
खुशियों से भरा ये दामन।।

भोला-भाला प्यारा मुखड़ा,
आते-जाते सभी निहारें।
उसकी चंचलता, भोलापन,
देख मुदित होते हैं सारे।।

रचना

अनुपमा यादव (स० अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
वि० क्षे०- शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3541

दिनांक- 08.12.2021 दिन- बुधवार

देश हमारा

देश हमारा न्यारा है,
लगता हमको प्यारा है।
हम सब करते प्यार देश से,
देश प्राणों से प्यारा है।।

इस देश की आन की खातिर,
जान की बाजी लगा देंगे।
रखे जो गलत निगाह देश पर,
उसको सबक सिखा देंगे।।

लहराता तिरंगा देश में,
हर भारतीय की शान है।
देश की रक्षा की खातिर,
हर सिपाही होता कुर्बान है।।

रहते हैं सब मिलजुलकर,
धर्म-जाति सब भूलकर।
सब त्यौहार मनाते साथ,
सुख-दुःख में सब रहते साथ।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3542

दिनांक- 08.12.2021 दिन-बुधवार

चन्दा मामा

मेरे प्यारे, चन्दा मामा,
मेरे प्यारे, चन्दा मामा।
कहती राधा और श्यामा,
चन्दा मामा, चन्दा मामा।।

राजू रोज तुम्हें है बुलाता,
शाम होते गीत कोई गाता।
रात में उजाला तुम्हीं लाते,
दिन में कहाँ को हो जाते?

टिमटिमाते आसमाँ में तारे,
कितने प्यारे वो नजारे!
ओढ़ते चाँदनी का हो जामा।
मेरे प्यारे चन्दा मामा।।

कभी छोटे तुम दिखाते,
कभी बड़ा रूप धर आते।
काहे को बढ़ते हो घटते?
सभी बच्चे यही हैं कहते।।

पैण्ट-शर्ट पहनो तो मामा,
या सिलवाओ कुर्ता-पैजामा।

रचना

सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3543

दिनांक- 08/12/2021 दिन- बुधवार

योगा

योगा करो सुबह उठकर,
पसीना निकालो सदा डटकर।
बीमारी को योग भगाता,
स्वस्थ शरीर योग बनाता।।

आलस में ना पड़े रहो,
उठो! जागो! कुछ काम करो।
बड़ों को सदा प्रणाम करो,
सुबह उठो स्नान करो।।

फास्ट-फूड कभी ना खाओ,
फलाहार सब लोग करो।
एक प्लेट सलाद खाओ,
भोजन भरपेट करो।।

शाकाहारी भोजन करो,
जीव हत्या कभी ना करो।
सादा जीवन, उच्च विचार,
जीवन में सदा मिले सत्कार।।

रचना

प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3544

दिनांक- 08-12-2021 दिन-बुधवार

नीमी का पेड़

मेरे घर के दरवाजे पर,
एक खड़ा नीमी का पेड़।
जिसकी दातुन हम सब करते,
पत्ती खातीं बकरी-भेड़॥

कोमल सात पत्तियाँ इसकी,
दादी हमको रोज खिलातीं।
मुन्नी-मुन्नू को भी दादी,
चार पत्तियाँ पीस पिलातीं॥

आस-पास की हवा निरोगी,
छाया इसकी बतलातीं।
गौरैया भी साँझ-सकारे।
हरी डाल पर इठलातीं॥

कर स्नान आज भी दादी,
लोटा भर जल उसे चढ़ातीं।
इसी पेड़ की शीतल छाया,
में दादी जी हमें पढ़ातीं॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायां, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3545

दिनांक- 08-12-2021 दिन- बुधवार

शिक्षक का मर्म

जमीं से क्षितिज तक,
कठिनाइयों में तपकर।
आरम्भ से लेकर अन्त तक,
हम रहते हैं सदैव तत्पर।।

धूप में खड़े डटकर,
हम सामना करते हैं।
अपनी कमर कसकर,
हिम्मत भी हम रखते हैं।।

कभी हार नहीं होगी,
संयम और परोपकार है।
कभी ताकत नहीं घटेगी,
धैर्य, निष्ठा व सदाचार हैं।।

आईना हैं हम समाज के
काँटों में भी खिलाएँ फूल।
सूत्रधार भविष्य निर्माण के,
शिक्षक का मर्म न जाना भूल।।

रचना
अर्चना यादव (प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय (1-8) परसू सहार, औरैया।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3546

दिनांक- 08.12.2021 दिन- बुधवार

दोस्ती का मोल

खेल-खेल में सब हम दोस्त बन जाते,
जिन्दगी को हम हँस-हँस कर साथ बिताते।
बीत गया दिन कब हमको पता ना चलता,
माँ बुलाती अब हो गई रात पता न लगता।।

साथ मिलकर सब हम पढ़ते-लिखते भी हैं,
मिलजुल कर खेल बहुत खेला करते हैं।
मन का सारा हाल एक-दूजे को बताते,
दोस्त भी देखो सारी हमें अपनी बात बताते।।

छोटी-छोटी खुशियाँ हम हैं मिलकर मनाते,
जो रूठे तो हम एक दूसरे को प्यार से मनाते।
हँसते हैं गाते हैं खूब मिलकर नाचा करते हैं,
साथ रह दिन भर हम खूब मस्ती करते हैं।।

रचना-:
खुशी नेगी (छात्रा)
कक्षा- 3
रा० प्रा० वि० नीलकण्ठ
यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल

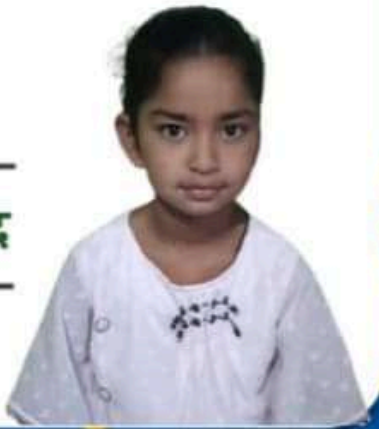

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3547

दिनांक- 09.12.2021 दिन- गुरुवार

क्यों नहीं है

कोई पक्का इरादा क्यों नहीं है,
तुझे खुद पर भरोसा क्यों नहीं है।
बने हैं पाँव चलने के लिए,
तू उन पाँवों पर चलता क्यों नहीं है।।

बहुत सन्तुष्ट है हालात से क्यों,
तेरे भीतर भी गुस्सा क्यों नहीं है।
तू झूठों की तरफदारी में है शामिल,
तुझे होना था सच्चा, क्यों नहीं है।।

मिलती है क्या खुदकुशी से जन्नत,
तू इतना भी समझता क्यों नहीं है।
सभी का अपना है ये मुल्क आखिर,
सबको इसकी चिन्ता क्यों नहीं है।।

गरीबों की भी है ये धरती,
इसमें गरीबों हिस्सा क्यों नहीं है।
किताबों में लिखा है बहुत कुछ,
लिखा हुआ कोई पढ़ता क्यों नहीं है।।

रचना
गुन्जन शर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
वि० क्षे०- शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3548

दिनांक- 09/12 /2021 दिन- गुरुवार

भारत मेरा प्यारा

भारत मेरा प्यारा,
सारे जग से न्यारा।
सब देशों से प्यारा,
हिन्दुस्तान हमारा।।

भाषाओं के रंग,
सब अपनों के संग।
पहनावा है प्यारा,
भारत सुन्दर प्यारा।।

त्योहारों का संगम,
संगम पावन यमुना गंगा।
शीश हिमालय विहंगम,
बीच बहे यमुना गंगा।।

बोली सुन्दर प्यारी-प्यारी,
मस्त हवा चले मतवाली।
खेतों की हरी-भरी क्यारी,
सुन्दर दिखे यह हरियाली।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
इस्लामनगर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3549

दिनांक-
09/12/2021

दिन-
गुरुवार

स्वर गीत

अ से अनार, आ से आम।
समय से करो अपना काम।।

इ से इमली, ई से ईख।
मेहनत से पढ़ना-लिखना सीख।।

उ से उल्लू, ऊ से ऊन।
अपने से बड़ों का कहना सुन।।

ऋ से ऋषि लगाये ध्यान।
जग का करे वो कल्याण।।

ए से एड़ी, ऐ से ऐनक।
बेटी होती है घर की रौनक।।

ओ से ओखल, औ से औरत।
प्यारी माँ है ममता की मूरत।।

अं से अंगूर, अः है खाली।
आओ बजाएँ हम सब ताली।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3550

दिनांक- 09/12/2021 दिन- गुरुवार

घटाने की क्रिया

एक बरगद के पेड़ पर,
बन्दर बैठे पाँच।
एक बन्दर चला गया,
बाकी बचे चार।।

चार बन्दर मिल कर,
चना रहे थे बीन।
एक बन्दर चला गया,
बाकी बचे तीन।।

तीन बन्दर मिल कर,
खेल रहे थे खो।
एक बन्दर चला गया,
बाकी बचे दो।।

दो बन्दर मिल कर,
टी० वी० रहे थे देख।
एक बन्दर चला गया,
बाकी बचा एक।।

एक बन्दर अकेला,
बन रहा था हीरो।
वह भी चला गया,
बाकी बचे जीरो।।

रचना-
अंजू गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० खम्हौरा- प्रथम
महुआ, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3551

दिनांक-09-12-2021 दिन- गुरुवार

फूल

उपवन-उपवन खिले हैं फूल,
तोड़ो न इनको, करो न भूल।
डाली पर मुस्काते फूल,
सबके मन को भाते फूल।।

रंग-बिरंगे सुन्दर नाज़ुक ,
खुशबू को बिखराते फूल।
काँटों में भी खुश रह कर के,
सब्र का पाठ पढ़ाते फूल।।

कभी हर्ष में, कभी शोक में,
अपना कर्त्तव्य निभाते फूल।
लघु जीवन दुनिया में पाकर,
धरती पर मुस्काते फूल ।

रचना
ज्योति शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गिंदौड़ा
मुरादाबाद (ग्रामीण)
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3552

दिनांक- 09.12.2021 दिन- गुरुवार

आशावादी

आशा की एक किरण, राह नयीं दिखाये।
आशा की एक किरण, ऊषा ले आये।।
कदम रुकें ना उनके आशावादी जो होते।
भाग्य का रोना, वे कभी नहीं रोते।।

उत्साह भरपूर होता, उद्देश्य महान ठनते।
सच्चे कर्मवीर होते, सबकी प्रेरणा बनते।।
घनघोर तिमिर में भी, वे नहीं घबराते।
अदम्य साहस भर, शमा से मशाल बनाते।।

पग नहीं विचलित होते, चलते जाते हैं।
संघर्षों से जूझ कर, आखिर विजय पाते हैं।।
जीवन जी भरके जीते, आनन्द नहीं समाते।
आशाओं के दीप जला, आँखों के तारे बन जाते।।

रचना-
अनिता नौडियाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डी मल्ली,
ब्लॉक- कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3553

दिनांक-09/12/2021 दिन-गुरुवार

हवा में जहर

आज हवा में घुला जहर है,
हर पल जैसे गया ठहर है।
इन्सान इतना लापरवाह है,
न अच्छे बुरे की उसे खबर है।।

हर तरफ फिज़ा जहरीली,
लगता है जैसे नीली-नीली।
क्यों आज ऐसा हुआ है!
सोचो आँखें करके गीली।।

आज नहीं हुए सावधान,
आएगी कल खतरे में जान।
ऐ इन्सान! अब भी वक्त है,
सँभल जा अब ऐ नादान।।

शहर-शहर यह आलम है,
साँस लेने में प्रॉब्लम है।
आओ हवा को शुद्ध बनाएँ
मिलकर सभी पेड़ लगाएँ।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3554

दिनांक- 09.12.2021 दिन- गुरुवार

भालू आया

देखो-देखो भालू आया,
सब बच्चों ने शोर मचाया।
साथ में उसके एक मदारी,
पकड़े उसकी रस्सी आया।।

मदारी ने बजायी बाँसुरी,
छम-छम उसने नाच दिखाया।
हँसने-रोने की एक्टिंग करता,
मदारी ने ज्यों ही समझाया।।

दौड़-दौड़कर बच्चे आये,
नाच देख उसका मुस्काये।
कोई पैसे देता उसको,
कुछ घर से अनाज ले आये।।

सबने देखा नाच अनोखा,
घुँघरू बाँधे भालू नाचा।
किताब दी मदारी ने उसको,
पाठ फिर एक उसने बाँचा।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर- 1
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3555

दिनांक-10.12.2021 दिन-शुक्रवार

शिक्षक

शिक्षक है एक ज्योति समान,
जन को दिलाये जग में सम्मान।
आरम्भ में कराये अक्षर ज्ञान,
अन्त में जग का हो कल्याण।।

बच्चों के दूसरे मात-पिता,
शिक्षक ही कहलायें।
अच्छे-बुरे का अन्तर क्या!
शिक्षक ही समझायें।।

जीवन की समस्याओं से,
सामना हो जब बच्चों का।
शिक्षक ने जो पाठ पढ़ाएँ,
वही समाधान बन जाये।।

इसीलिए कहते हैं बच्चों!
बातें मानो शिक्षक की।
पढ़ो, लिखो और आगे बढ़ो,
शान बढ़ाओ इस जग की।।

रचना

आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3556

दिनांक- 10/12/2021 दिन- शुक्रवार

हिन्दू नववर्ष

चैत्र मास शुक्ल प्रतिपदा,
गुडी पड़वा भी कहाय।
माँ के नौ दिनों के साथ,
हिन्दू नव वर्ष है आए।।

आओ बताएँ हम तुम्हें,
महत्व कुछ इस दिन का।
ब्रह्मा ने सृष्टि रची,
राम का राज्याभिषेक हुआ।।

शक्ति और भक्ति का मेल,
संग ये अपने लाए।
विक्रम सम्वत् का प्रथम दिन,
पुष्पों को सुगन्धित कर जाए।।

शक्ति के नौ रूपों का,
मन से ध्यान करो।
त्याग पश्चिमी सभ्यता,
वेदों की ओर चलो।।

आर्य समाज की हुयी स्थापना,
झूलेलाल थे प्रगटे।
हिन्दू नववर्ष के दिन,
युधिष्ठिर राजा बने।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3557

दिनांक- 10/12/2021 दिन- शुक्रवार

जनरल विपिन रावत

भारत के अति उत्कृष्ट सैन्य अधिकारी,
जनरल रावत को जाने दुनिया सारी।
जबाबी कार्रवाही के रणनीति कार,
दुश्मन को सामने से सदैव दी हार।।

ऊचाईयों पर लड़कर जंग जीती,
दिया करारा जबाब बना नीति।
'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम दिया,
पुलवामा हादसे का बदला लिया।।

सम्मान, पदक उच्च स्तर के पाये,
कार्यशैली देख सी० ड़ी० एस० बनाये।
भारत देश को समर्पित महा नायक,
तिरंगे की शान रखने में सहायक।।

जिये शान से मरते दम तक बढ़ायी,
श्रद्धा सुमन अर्पित दुःखद घड़ी आयी।
कर्मठता को नहीं हम भुला पायेंगे,
उत्तराखण्ड के सपूत याद आयेंगे।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3558

दिनांक- 10-12-2021 दिन- बुधवार

रेल का खेल

छुक-छुक, छुक -छुक, छुक -छुक चलती,
हम बच्चों की रेल।
हम ही इंजन, हम ही डिब्बे,
कितना अच्छा खेल।।

हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई,
ये सबका है मेल।
ये दौड़े गलियों में सरपट,
यूँ ही ठेलमठेल।।

नहीं कोयला ना ही बिजली,
ना पड़ता है तेल।
और न इसका इंजन होता,
यार कभी भी फेल।।

पंक्तिबद्ध होकर हम घूमें,
ज्यों फूलों की बेल।
जब जी चाहे तब आपस में,
चले रेल का खेल।।

रचना

प्रदीप कुमार चौहान प्र० अ०
प्राथमिक विद्यालय-कलाई
धनीपुर, अलीगढ़।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3559

दिनांक- 10.12.2021 दिन- शुक्रवार

सीख

आया सर्दी का मौसम,
उठने का नही करता मन।
प्यारे बच्चों अब न सोना,
पढ़ने का कीमती समय न खोना।।

रोज नहाकर स्कूल है जाना,
पढ़-लिखकर शिक्षित है होना।
शिक्षा है जीवन का आधार,
अपने सपने करो साकार।।

बड़े-बुजर्गों का करो आदर,
कभी न करना उनका निरादर।
हमेशा वे तुम्हे देंगे आशीष,
बदले में नही लेंगे कोई फीस।।

जीवन का एक लक्ष्य बनाओ,
दृढ निश्चय, परिश्रम से उसे पाओ।
छात्र जो मेहनत करता है,
सफल सदा ही वह होता है।।

इस कविता का यही है सार,
पढ़ने से मत मानो हार।।

रचना
चयनिका (स०अ०)
प्रा० वि० खेकड़ा- 1
खेकड़ा, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3560

दिनांक- 10.12.2021 दिन- शुक्रवार

सड़क सुरक्षा (भाग-2)

सड़क सुरक्षा को अपनाना है,
सबका जीवन बचाना है।
अफरा-तफरी बिल्कुल न मचायें,
धैर्य से सड़क पार करके जाएँ।।

बच्चों को यह नियम बतायें,
बालिक होने पर ही गाड़ी चलायें।
जब भी दो पहिया वाहन चलायें,
हेलमेट जरूर पहन कर जाएँ।।

सीट बेल्ट का रखना ध्यान,
तभी बचेगी तुम सबकी जान।
मोबाइल को ड्राइवर रखें दूर,
जब तक पूरा न हो आपका टूर।।

पहाड़ी मार्गों पर सम्भल कर चलें,
गति को नियन्त्रित करते चलें।
मोड़ों पर हार्न अवश्य बजायें,
सड़क सुरक्षा के नियम अपनायें।।

अनमोल जीवन अपना बचायें।
अनमोल जीवन सबका बचायें।।

रचना

बीना कठैत (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मगरू
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3561

दिनांक- 10.12.2021 दिन- शुक्रवार

मन की आवाज

मन की आवाज सुनो,
खुशियों का ताना-बाना बुनो।
गमों को तुम भुलाकर,
खुश रहने की राह चुनो।।

मन की गहराई में झाँको,
अपनी प्रतिभा को तुम आँको।
खिल उठेगा अन्तर्मन,
तुम किसी से नहीं हो कम।।

रोता चेहरा मायूस आँखें,
कमजोर तुम्हें बनाती हैं।
हँसता चेहरा उजली आँखें,
आत्मविश्वास बढ़ाती हैं।।

कभी न मानो तुम हार,
होंगे सब सपने साकार।
आशा की किरणों से,
रोशन कर दोगे संसार।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3562

दिनांक- 11.12.2021 दिन- शनिवार

आओ जानें पौधे के भाग

आओ कर लें, कक्षा में कुछ काम,
देखें, जानें, समझें बातें तमाम।
पौधे के किस भाग का क्या है काम?
सीख लें पौधे के भागों के नाम।।

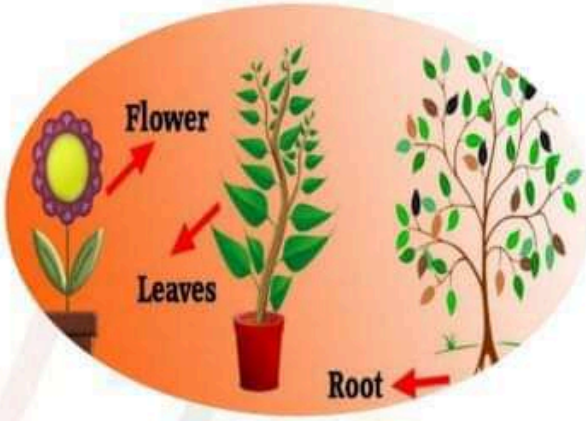

जल, मिट्टी और धूप, हवा को पाकर,
बनता बीज है पौधा नन्हा उगकर।
पाँच भाग होते हैं जिसके जानो,
जड़, तना, पत्ती, फूल और फल पहचानो।।

भूमि के नीचे रहता है जो भाग,
जड़ कहते हैं उसको लोग-बाग।
अपस्थानिक और मूसला हैं दो प्रकार,
जड़ होती हैं पौधे की मददगार।।

भूमि के ऊपर रहता है जो भाग,
तना कहलाता है वो सुनो सुभाग!
पौधे को यह देता है आकार,
फल, फूल, पत्ती, बीजों की बहार।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3563

दिनांक- 11.12.2021 दिन- शनिवार

गौरैया

लो फिर आ गयी गौरैया,
सुन्दर, भोली-भाली गौरैया।
खुली खिड़की पर बैठ जाती,
नयी सुबह का सन्देश सुनाती।।

दीवारों के बीच घोंसला बनाती,
तिनके-तिनके वह चुन कर लाती।
लोगों का साथ इसे है भाता,
बच्चों से इसका गहरा नाता।।

नन्हें-मुन्ने इसके सुन्दर बच्चे,
पीली चोंच और पैर हैं छोटे।
उनके लिए वह दाना लाती,
खाने का ढंग उन्हें सिखाती।।

अम्मा मुझे यह बात बतलाती,
पक्षियों को दो दाना और पानी।
ये सभी हमारी धरती के साथी,
इनकी जिम्मेदारी हमें निभानी।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3564

दिनांक- 11-12-2021 दिन- शनिवार

आओ खेलें खेल

गर दुनिया है गोल,
तो खेल हैं अनमोल।
घर के अन्दर खेलें खेल,
बाहर जाकर खेलें खेल।।

घर के अन्दर इनडोर गेम्स,
घर के बाहर आउटडोर गेम्स।
इनडोर गेम्स लूडो, कैरम, शतरंज,
म्यूजिकल चेअर खेलें संग-संग।।

आउटडोर गेम्स क्रिकेट, कबड्डी,
फुटबॉल, टेबिल-टेनिस, वॉलीबॉल।
राष्ट्रीय खेल को कहते हैं हॉकी,
घर से बाहर खेलें बॉस्केटबॉल।।

खेल से बनती अच्छी सेहत,
करते है शारीरिक मेहनत।
बच्चों का होता शारीरिक विकास,
अच्छा प्रदर्शन करता पूरी आस।।

रचना
अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3565

दिनांक- 11-12-2021 दिन- शनिवार

गीता जयन्ती

वेदों का है सार उपनिषद,
उपनिषद का है गीता सार।
गीता में मिलते जीवन के,
पढ़ो तो कितने सुन्दर विचार!

मार्गशीर्ष के शुक्ल पक्ष में,
एकादशी के शुभ दिन पर।
अर्जुन को उपदेश दिया कृष्णा ने,
कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर।।

भक्ति, ज्ञान और कर्म योग पर,
सविस्तार कुन्तीसुत को समझाया।
अर्जुन-कृष्ण के इस संवाद को
वेद व्यास ने महाकाव्य रचाया।।

14 दिसम्बर को गीता जयन्ती,
महोत्सव देश में मनाते हैं।
प्रतिदिन गीता पाठ करें जो,
उनके जीवन हर्षाते हैं।।

प्रस्तुति
निहारिका वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भूपालपुर (1-8),
निधौली कलाँ, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3566

दिनांक- 13/12/2021 दिन- सोमवार

माँ गंगा

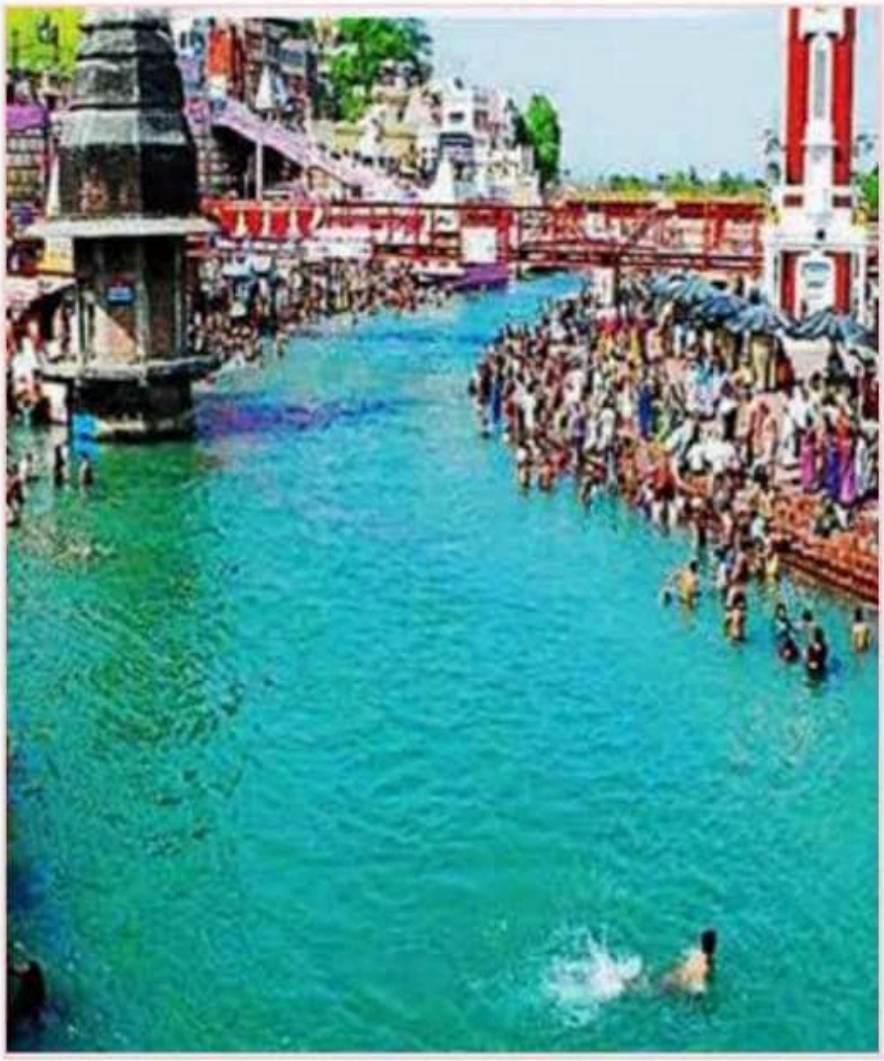

निर्मल धारा बहे माँ गंगा की,
यह कर्तव्य हमारा है।
माँ गंगा से पहचान देश की,
भारत हमको प्यारा है।।

पावनता-निर्मलता भरकर,
माँ गंगा का सम्मान करें।
गीता है गोविन्द की वाणी,
हम उनका गुणगान करें।।

जननी है अति हितकारी,
ज्ञानदायिनी, मोक्षदायिनी है।
इनका सेवन निर्मलता भरकर,
श्रेष्ठ प्राण बलदायनी है।।

जीवन का आधार माँ गंगा।
इक अमृत की धार माँ गंगा,
सदियों से अविरल बहती,
ईश्वर का उपहार माँ गंगा।।

रचना-:
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
वि०ख० - टनकपुर, चम्पावत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3567

दिनांक- 13/12/2021 दिन-सोमवार

पूजा

भाव से की गयी आराधना,
भक्ति से की गयी साधना,
पूजन, स्तुति और वन्दना,
पूजा है मन की प्रार्थना।।

आराध्य के चरणों में नमन,
शीश झुका किया वन्दन।
उसे प्रसन्न करने के लिए,
बोले गये जो सुन्दर वचन।।

मन, वचन और कर्म से,
करते हैं उसे समर्पण।
शब्दों से हो अभिनन्दन,
नतमस्तक हो अभिवादन।।

यही कहलाती है पूजा,
वन्दन-अर्चन या पूजन।।

पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3568

दिनांक- 13.12.2021 दिन-सोमवार

विनम्र श्रद्धांजलि

सेना के अधिकारी तुम थे,
अनुभव से भारी भी तुम थे।
तुम थे शौर्य, वीर की गाथा,
तुम थे भारत-भाग्य विधाता।।

कर्मठता के बल पर छाये,
C. D. S. की रैंक को पाये।
छोड़ गए तुम अपनी छाप,
जाते थे बाधाएँ नाप।।

चला गया वो वीर सितारा,
लेकिन हिम्मत कभी न हारा।
डाल गए जो सबमें जान,
धन्य- धन्य हो आप महान।।

रचना

अनिल कुमार (स० अ०)
प्रा० वि० तिलियानी (प्रथम)
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3569

दिनांक- 13-12-2021 दिन- सोमवार

स्कूल रेडीनेस

प्री प्राइमरी को समझाने हेतु,
स्कूल रीडीनेस प्रशिक्षण चला।
नन्हें बच्चों को खेल-खेल में,
सिखाकर करें उनका भला।।

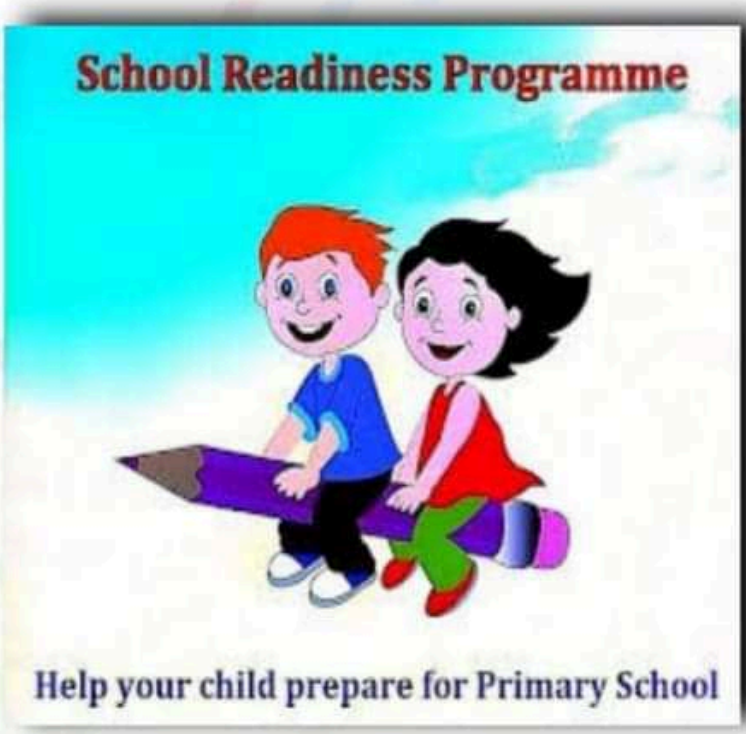

पाँच वर्ष यदि पूर्ण हुए तो,
शिशु का नामांकन कराना है।
रुचि बढ़े सदा बालकों की,
ऐसा सार्थक माहौल बनाना है।।

शारीरिक मानसिक रचनात्मक,
विकास सभी का कराना है।
स्वस्थ शरीर दुरुस्त मस्तिष्क से,
जीवन पथ पर बढ़ाना है।।

गीत कविता कहानी आदि से,
बच्चों का मन भी हरषाना है।
ठहराव स्कूल में बना रहे तो,
गतिविधियों को भी अपनाना है।।

रचना
गीता देवी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मल्हौसी
बिधूना, औरैया

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3570

दिनांक-14.12.2021 दिन-मंगलवार

मैं हूँ पुस्तक

मैं हूँ पुस्तक तुम्हारी साथी,
सही गलत बताती हूँ।
ज्ञान का भण्डार है मुझमें,
फिर भी घमण्ड न जताती हूँ।।

अनपढ़ से ज्ञानी तक का,
मार्ग तुम्हे दिखताती हूँ।
जब भी आए कोई समस्या,
समाधान बन जाती हूँ।।

देव, दैत्य हो या मानस,
सबने मिलकर है मुझे गढ़ा।
ज्ञान हुआ तीनों लोकों का,
जब जन ने मुझे पढ़ा।।

विज्ञान से लेकर चमत्कार तक,
रहस्य छिपा मेरे अन्दर।
अवनति से लेकर उन्नति तक,
पहुँचोगे मेरा अध्ययन कर।।

रचना

आरती वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० रेवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3571

दिनांक- 14/12/2021 दिन- मंगलवार

मैं नारी हूँ

तन से मैं कमजोर सही,
पर मन से शक्तिशाली हूँ।
कपट, झूठ से नफरत है,
मध से भोली-भाली हूँ।।

दु:ख सहती हूँ, आगे बढ़ती हूँ,
कम खुद को नही समझती हूँ।
जब आती बात स्वाभिमान की,
बन जाती चण्डी, काली हूँ।।

मैं नभ को भी छू सकती हूँ,
हर शिखर पर मैं चढ़ सकती हूँ।
हर क्षेत्र में नर से आगे,
पड़ती मैं नर पर भारी हूँ।।

पर सम्मान मुझे ना मिल पाया,
मुकाम अभी ना मिल पाया।
हर इन्सान के मन में आदर हो,
तब ही सच्ची अधिकारी हूँ।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3572

दिनांक- 14.12.2021 दिन- मंगलवार

आओ बच्चों पाठ पढ़ाएँ

आओ बच्चों पाठ पढ़ाएँ,
हम तुम सब का ज्ञान बढ़ाएँ।
सुनकर पाठ सब दो ध्यान,
इससे बढ़ता निरन्तर ज्ञान।।

जितना ज्ञान तुम्हारा बढ़ेगा,
उतना नाम तुम्हारा होगा।
जिस जगह भी जाओगे तुम,
खूब सम्मान पाओगे तुम।।

ज्ञान बाँटने से बढ़ता है,
किताबें पढ़ने से बढ़ता है।
ज्ञान की नहीं है सीमा कोई,
ज्ञान बिना कल्याण न होई।।

अच्छे बच्चे वही होते हैं,
मन लगाकर जो पढ़ते हैं।
अध्यापकों का कहना मानते,
समय से पढ़ाई करना जानते।।

रचना
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3573

दिनांक- 14/12/21 दिन-मंगलवार

प्रेरणा

काँटो में भी रहकर प्यारे गुलाब सा हँसना सीखो,
फूल मिले चाहे अंगारे राह सही चलना सीखो।
चमक चाहते अगर सूर्य सी रवि समान जलना होगा,
निखरोगे फिर कुन्दन बनकर अग्नि में पिघलना होगा।।

मंजिल उसको मिलती देखो जो हरपल चलता रहता,
थककर हार मानने वाला बस पीछे बैठा रहता।
लक्ष्य करो अपना निर्धारित बस आगे बढ़ते जाओ,
कदम सफलता चूमेगी ही कर्म सदा करते जाओ।।

इतिहास लिखे कहानी जो न बाधा से घबराते हैं,
परवाज़ हौसलों की भर जो नभ के तारे लाते हैं।
मंजिल को पाने की खातिर इक जुनून खुद में पालो,
दृढ़निश्चय, मजबूत इरादा, साहस फौलादी ढालो।।

लाँघ लोगे विघ्न के पर्वत न कमजोर खुद को आँको,
शक्ति तुममें भरी है कितनी अपने अंतस में झाँको।
उठो शिवा,राणा के वंशज मंज़िल तुम्हें बुलाती है,
लहराओ तुम कीर्ति पताका प्रेरित "सुमन" बनाती है।।

रचना - सुमन सिंह (स०अ०)
उ०प्रा०वि० बिल्ली
चोपन, सोनभद्र

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3574

दिनांक- 14-12-2021 दिन- मंगलवार

नन्हे मुन्ने वैज्ञानिक

जिज्ञासा का है भण्डार,
क्या, क्यों, कब, कैसे शब्द चार?
यह सब क्यों है होता?
साबुन कैसे कपड़ों को धोता?

क्यों यह पक्षी उड़ता जाये?
अपने पंखों को फैलाये।
कब पड़ता है ग्रहण?
इस पर भी कर ले चिन्तन।।

जब मिले ना खाना तो क्या होता?
क्यों पानी सबको भिगोता?
आसमां दिखे नीला क्यों?
सोडियम पानी में क्यों जले धूँ?

इन शब्दों को रट लो तुम,
कब, कैसे, क्या और क्यों?
जिज्ञासु बच्चों तुम बन जाओ,
नन्हे-मुन्ने वैज्ञानिक कहलाओ।।

रचना

श्रीमती ब्रजेश सिंह (स०अ०)
प्रा० वि०- बीठना, लोधा
अलीगढ़।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3575

दिनांक- 14-12-2021 दिन- मंगलवार

पतंग

नीली-पीली पतंग है मेरी,
सर-सर उड़ती जाये रे।
मित्रों संग उड़ाता इसको,
फर-फर उड़ती जाये रे।।

आसमान में उड़ती है ये,
झूम-झूम लहराये रे।
काट कर के पतंग दूसरी,
बहुत-बहुत इतराये रे।।

ऊपर को ही बढ़ती जाती,
धागे से टिक जाये रे।
कभी इधर तो कभी उधर,
हवा के संग इठलाये रे।।

आसमान में चिड़ियों के संग,
सैर-सपाटा कर आये रे।
उठो और आगे बढ़ो,
यही सीख सिखलाये रे।।

रचना-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा० वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3576

दिनांक- 14-12-2021 दिन- मंगलवार

बेचारा किसान

हर एक निवाला इस जीवन का,
जो तू बड़े स्वाद के संग खाता है।
वही निवाला सबके लिए सोचो,
कितनी मेहनत से वो उगाता है!

खुद रहता है भूखा-प्यासा हरदम,
और दिन भर हल वो चलाता है।
अगर ना हो जब वर्षा समय पर,
तो कैसे वो मन को समझाता है!

खुद जीवन का अस्तित्व बचाने में,
इतना दुबला पतला हो जाता है।
नहीं समझ सकता कोई कि किसान,
ना जाने कितनों का कर्ज चुकाता है!

एक दिन कर्ज के बोझ में दबकर,
किसान खुदवाखुद मर जाता है।
त्याग और समर्पण की बस वो,
बस मिशाल बनकर रह जाता है।।

रचना
सुनील कुमार (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
जौंरा, औरैया।

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3577

दिनांक- 14/12/2021 दिन- मंगलवार

सूरज

सूरज से चलो करें दोस्ती,
आओ मिल सब कर लें मस्ती।
रोशनी सूरज सी कर दें रोशन,
स्वस्थ शरीर, स्वस्थ हो तन मन।।

लाल गेंद सा उगता सूरज,
देखना हो तो रखना धीरज ।
रात्रि करना जल्दी विश्राम,
प्रातः सूर्यदर्शन हो अविराम।।

चेहरे पर हो हरदम मुस्कान,
गुरु जन की आज्ञा को मान।
नहीं समस्या आयेगी जान,
चुटकी में हर मुश्किल आसान।।

लक्ष्य हो उजला सूरज सा जान ,
रहित भेद भाव सब एक समान।
सुख देना, जिसका भाव महान,
सफल यही जीना, ले तू मान।।

रचना
डॉ. आभा सिंह भैसोड़ा (स०अ०)
रा० प्रा० वि०- देवलचौड़
ब्लॉक - हल्द्वानी, नैनीताल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3578

दिनांक- 15-12-2021 दिन- बुधवार

मेरा तुलसी का पौधा

मेरा तुलसी का बिरवा कैसे लहराए रे,
प्रभु घर मेरा महक-महक जाए रे।
हाय! एक तरफ झुका क्यों जाए रे?
ये बात मेरे समझ न आ पाए रे।।

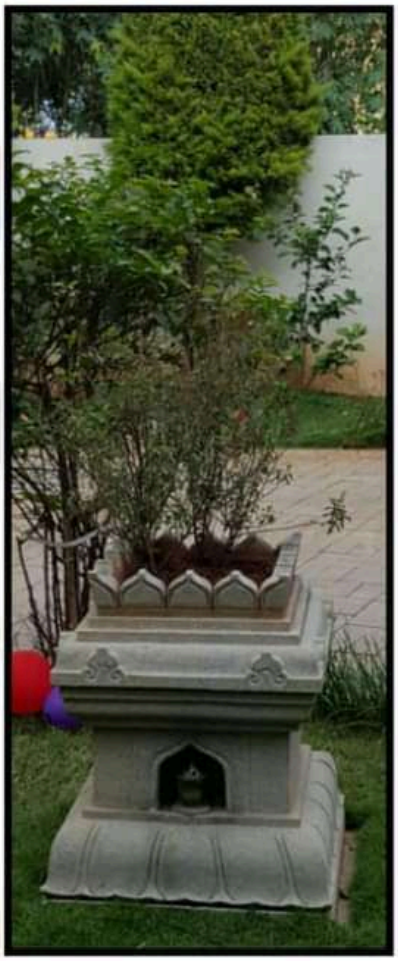

प्रभु घर मेरे कई तुलसी के पौधे,
ये तो सात फुटिया होता जाये रे।
लम्बा सुन्दर इठलाएँ-बलखाये रे,
जो देखे वो मस्त-मस्त हो जाये रे।।

एक ओर इसके चहचहाएँ चिडियाँ रानी रे,
फुदक-फुदक खेले, खाएँ बारी-बारी रे।
ये भी उनको छूना चाहे चूम-चूम के,
इसीलिए झुका जाए उधर झूम-झूम के।

चिड़ियों की चहक से तरंगित इसे देखा रे,
निश्च्छल प्रेम स्पर्श से भरपूर इसे देखा रे।
पत्तियों से इसकी चाय महक-महक जाए रे,
औषधि के रूप में भी कितना काम आए रे।।

रचना

प्रतिभा भारद्वाज (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- वीरपुर छबीलगढ़ी
जवाँ, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3579

दिनांक-15/12/2021 दिन-बुधवार

सुबह सबेरे

सुन्दर फूल, महकती गलियाँ,
सुखद सबेरे, खिलती कलियाँ।
चहक-चहक कर गातीं चिड़ियाँ,
रंग-बिरंगी सभी तितलियाँ।।

लगता परिकर बहुत मनोरम,
हरित घास पर बिखरी शबनम।
भौंरे करते गुन-गुन, सुनते हम,
जाते हैं प्रातः रोज टहलते हम।।

भरी ताजगी सुखद पवन में,
अनजानी मस्ती छाये मन में।
उतरे धीमें-धीमें धूप सुनहरी,
कल-कल बहती नदियाँ गहरी।।

श्वेत-श्याम नीलाभ गगन है,
कितना मोहक आया क्षण है!
दिशा-दिशा में बिखरी खुशियाँ,
उड़ती- कहती- गाती चिड़ियाँ।।

रचना

सतीश चन्द्र (प्र०अ०)
प्रा० वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3580

दिनांक- 15.12.2021 दिन- बुधवार

जाड़ा आया

जाड़ा आया! जाड़ा आया!
संग रेवड़ी और गुड़ लाया।
मूँगफली ने धूम मचाई,
सब बच्चों ने मिलकर खाई।।

सूरज सबको खूब सुहाए,
बथुआ और मेथी मन भाए।
मूली का संग हुआ जरूरी,
घी के बिन थाली न पूरी।।

दादी ने है ऊन निकाली,
नीली-पीली और कुछ काली।
शुरू हुई है आज बुनाई,
नापा कंधा और कलाई।।

राजू करता किट-किट दाँत,
दिन छोटे और लम्बी रात।
हीटर, गीजर और अलाव,
देते है ठण्डक को मात।।

रचना -
दीपा गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० बराखेमपुर
बीकेटी, लखनऊ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3581

दिनांक- 15-12-2021 दिन- बुधवार

दादी माँ

दादी, मम्मी से भी पहले,
उठ जातीं रोजाना भोर।
नित्य क्रिया से फुरसत होकर,
फूल बाग से लातीं तोर॥

करें बनाया घर का मंजन,
करतीं मज्जन ताजा नीर॥
सत्तर के हैं पार हुई पर,
नहीं अभी घुटनों की पीर॥

पूजा करतीं मनोयोग से,
करतीं सब देवों का ध्यान।
तुलसा माँ को शीश नवाकर,
देतीं संस्कार औ ज्ञान॥

नेत्र ज्योति अब भी पैनी है,
अब भी लेतीं नाज पछोर।
मम्मी-पापा, हम सब बच्चे,
नत मस्तक होते कर जोर॥

रचना
रामचन्द्र सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० जगजीवनपुर-2
ऐरायाँ, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3582

दिनांक- 15-12-2021 दिन- बुधवार

मूँगफली

तप रही कढाई में बालू,
भट्टी जलने का क्रम चालू।
चारों दिशि फैली गमक बहुत,
सोधीं-सोंधी सी महक बहुत।।

लगती है मन को बहुत भली,
भुन रही कहाँ ये मूँगफली?
हमको देना, हमको देना,
है शोर मचा दुकानों पर।।

जाड़े में भाती मूँगफली,
है नजर नहीं मिष्ठान पर।
बिकती है देखो गली-गली,
भुन रही कहाँ ये मूँगफली?

रचना - प्रवीणा दीक्षित
Kgbv Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3583

दिनांक- 15.12.2021 दिन- बुधवार

मानवता

मानवता से होगा जग उज्ज्वल,
आरम्भ हमें करना होगा।
मानव की सेवा की खातिर,
एकजुट होकर बढ़ना होगा।।

ये सारा संसार है अपना,
अपने हैं सारे लोग।
फिर क्यों मन में लगा हुआ है,
भेदभाव का रोग।।

त्यागकर सारा अहंकार हम,
आज चलो ये रोग मिटाएँ।
न हो अपना दुश्मन कोई,
आओ प्यार के दीप जलाएँ।।

मानव सेवा उत्तम है सबसे,
सब धर्म यही बतलाते हैं।
करके दूर सभी संशय,
सही राह वो हमें दिखाते हैं।।

रचना-:
दमयन्ती राणा (स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि० ईड़ाबधाणी
ब्लॉक- कर्णप्रयाग, चमोली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3584

दिनांक- 15.12.2021 दिन- बुधवार

अग्निपथ

खून पसीने से हो जा चाहे जितना लथपथ,
करना ही होगा पार तुझे ये अपना अग्निपथ।
हिम्मत और उत्साह का रखकर दिल में भाव,
बढ़ता चल हरदम जिन्दगी है एक कर्मपथ।।

संघर्ष का पर्याय ही तो होता है ये जीवन,
एकाग्रता को धारण कर ले संयमित मन।
लक्ष्य पर पहुँच कर ठान दृढ़ आत्मविश्वास,
होगी दूर अवश्य एक दिन सारी उलझन।।

हिम्मत और विश्वास हैं दो मुख्य विकल्प,
विचलित हुए बिना मन में ले लो संकल्प।
कोशिश करते रहने से कभी न थकना बन्दे,
उद्विग्नता हो पायेगी तब ही मन की अत्यल्प।।

घोर विपत्ति आये तो भी होना न कभी निराश,
कदम-कदम पर करना खुद में खुद की तलाश।
खुली आँखों से देखा हर सपना होगा साकार,
लक्ष्य तक जाकर ही तो छू पायेगा आकाश।।

रचना
पारुल चौधरी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० हरचन्दपुर
खेकड़ा, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3585

दिनांक- 16/12/2021 दिन- गुरुवार

मतदान करने की ठानी

तर्ज- मुझे इश्क है तुझी से...

मतदान केन्द्र जाकर, मतदान करने की ठानी।
जिताना है सही प्रतिनिधि, वोट अपनी नहीं गवाँनी।।..
वोट ड़ालने से पहले, सही प्रतिनिधि को चुनना,
उसकी सोच, समझ को, पढ़ना और समझना।
रहे देश के प्रति समर्पित, निष्ठावान न करे मनमानी,
अठ्ठारह वर्ष के नये वोटर से, वोट भी हमें ड़लवानी।।..

धन का न लालची हो, मिल-जुल बनाये नीति,
करे हित रख सोच अच्छी, जनता से निःस्वार्थ प्रीति।
वी० वी० पैट का बटन दबाएँ, दिख जाएगी निशानी,
भेदभाव, राग-द्वेष रख, नहीं जो शासन करे बेमानी।।..
चुनना है ऐसा प्रतिनिधि, कुशल नेतृत्व की लिखे कहानी।
जाति, धर्म से ऊपर हो, मानवता की बने निशानी।।..

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3586

दिनांक-16.12.2021 दिन-गुरुवार

डाकिया बाबा

खाकी वर्दी पहने,
कन्धे पर थैला लटकाये।
साइकिल पर बैठे,
देखो, डाकिया बाबा आये।।

रानी बिटिया तेरा खत है आया,
कह कर मुझको पास बुलाया।
नाना का तेरे सन्देशा हूँ लाया,
मौसी की शादी में है बुलाया।।

रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर,
मौसी की शादी में जाएँगे।
लड्डू, पेड़े और पकवान खाएँगे,
उछल-कूद और धूम मचाएँगे।।

रचना
शशि कुशवाहा (स०अ०)
क० वि० रामपुर घेरवा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3587

दिनांक- 16-12-2021 दिन- गुरुवार

कर्म ही पूजा

मनुष्य एक विवेकशील,
प्राणी कहलाता है।
बिना विचारे जो करे,
सो पाछे पछताता है।।

सही-गलत का ध्यान जो,
मानव रख पाता है।
निज जीवन में धोखा,
कभी नहीं वह खाता है।।

रात के बाद सुबह का,
होना निश्चित होता है।
प्यारे बच्चो दुःख का भी,
अन्त जरूर होता है।।

हारना ना हिम्मत भरोसा,
प्रभु पर जो करता है।
फल की चिन्ता नहीं करता,
कर्म पर विश्वास रखता है।।

रचना

अनुपमा जैन (स०अ०)
पू० मा० वि०, मौहकमपुर
इगलास, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3588

दिनांक- 16-12-2021 दिन- गुरुवार

सूरज

सभी जीवों में ऊर्जा भरता,
सबको चलता पुर्जा करता।
सबसे पहले जग जाता है,
ये सूरज रोज उग आता है।।

क्या पृथ्वी, क्या ब्रह्माण्ड,
सबकी धुरी का केंद्र है।
खुद में कितना कुछ चलता,
पर ये समय का पाबन्द है।।

इसके तेज का कोई न सानी,
बात ये सबने ही मानी।
कितनी अँधेरी रात हो,
नयी सुबह तो है आनी।।

विज्ञान के कौतुक से जुड़ा,
ज्ञान का ये सागर है बड़ा।
लोक और परलोक का,
हर किस्सा इस पर मुड़ा।।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3589

दिनांक- 16/12/2021 दिन- गुरूवार

१ से १० तक गिनती

एक मदारी गाँव में आया,
दो बन्दर-बन्दरिया साथ में लाया।
तीन दिनों तक खेल दिखाया,
चार रुपया ईनाम में पाया।।

पाँच कला बन्दर ने मारी,
छ: ताली बजी बस सारी।
सात बार बन्दरिया नाची,
बात कहूँ मै बिल्कुल साँची।।

आठ बच्चों ने हल्ला मचाया,
बन्दर के संग डान्स दिखाया।
नौ रोटी एक बुढ़िया लायी,
दस साल की सोनी संग में आयी।।

1	१	एक
2	२	दो
3	३	तीन
4	४	चार
5	५	पांच
6	६	छः
7	७	सात
8	८	आठ
9	९	नो
10	१०	दश

रचना

प्रेमचन्द (प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० सिसौला खुर्द
जानी, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3590

दिनांक- 16.12.2021 दिन- गुरुवार

माँ

माँ कोई नहीं तुम जैसा,
निश्चल छवि प्यार का समुन्दर हो जैसा।
ईश्वर की अनमोल, अद्भुत रचना साकार,
जन्मदात्री बन किया हम पर उपकार।।

नहीं रही डिग्री तुम्हारे पास अपार,
पर दिखा हमेशा अथाह ज्ञान भण्डार।
दी जीवन कौशल की हमें शिक्षा,
प्रथम शिक्षिका बन दी हमें दीक्षा।।

नि:स्वार्थ प्रेम कभी नहीं घटता,
दिन प्रतिदिन सदैव बढ़ता रहता।
कोशिश की कि हो पूरा हर शब्द हमारा,
कभी निराश हमें किया नहीं दिया सहारा।।

पहले कहाँ तुम्हें पहचाना?
माँ बनकर मैंने ये जाना,
जैसे जन्म हुआ मुझ संग तुम्हारा,
वैसे जन्म हुआ मेरा भी दुबारा।।

रचना-:
पूनम भट्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० वीड,
ब्लॉक- चम्बा, टिहरी

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3591

दिनांक- 17.12.2021 दिन- शुक्रवार

नदी के संग

नदिया की मौजों में हरपल,
साथ रहा मैं करता हूँ।
निश्छल, अविरल बहती कल-कल,
देख इसे खुश रहता हूँ।।

सागर का तो खारा है जल,
सागर किसने देखा है।
नदियों का जल मीठा होता,
इसमें जीवन की रेखा है।।

सदा रहे चुपचाप, मौन यह,
फिर भी कह जाती सब कुछ।
बहती सदा पक्षियों के संग,
इसको देख सदा हो मन खुश।।

चलना सदा जानती है ये,
जीवन मन्त्र बताती है।
चलने में उत्साह उर्जा,
जगती रहे, जताती है।।

रचना -
जुगल किशोर त्रिपाठी
शि० मि० प्रा० वि० बम्हौरी,
मऊरानीपुर, झाँसी, उ० प्र०

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3592

दिनांक- 17-12-2021 दिन-शुक्रवार

कन्या की विदाई

विदा मुझ से, मेरा ही साया हुआ है,
मेरे दिल का टुकड़ा, पराया हुआ है।
विदा हुईं अब, मेरे घर की सब बहारें,
माता ने, आँसुओं को बहाया हुआ है।।

विदा के वक्त दिल विचलित बहुत है,
पिता जी ने, दिल समझाया हुआ है।
करता था हर बात की, जो शिकायत,
उस भाई ने भी, दर्द दबाया हुआ है।।

एक दूसरे से चाहते हैं, दर्द को छुपाना,
सभी का दर्द फिर भी, नुमाया हुआ है।
वो किसी का, ऐतबार करे भी तो कैसे?
जो खुद, अपनों का ही सताया हुआ है।।

आँखें प्रदीप की भी तो नम हो चली हैं,
उसने भी राज़ ए दिल, छिपाया हुआ है।
प्यार से विदाई और मिलन हो रहा है,
बड़ा अजीब वक्त आज आया हुआ है।।

रचना-
प्रदीप कुमार(स०अ०)
उ० प्रा० वि० बलिया
ब्लॉक- ठाकुरद्वारा
मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3593

दिनांक- 17/12/2021 दिन- शुक्रवार

मिसाइल मैन (भाग- 1)

मजहबी भेद को दरकिनार कर,
बना वो एक सच्चा हिन्दुस्तानी।
पैर थे इनके जमीन पर,
और नजर आसमां पे रखी।।

ख्वाबों की उड़ान को उसने,
मिसाइल कार्यक्रम बनाया।
रामेश्वरम का यशस्वी बेटा वो,
तब मिसाइल मैन कहलाया।।

थे जनता के वो राष्ट्रपति,
शिक्षा लेखन के परिचायक।
भारत रत्न परमाणु वैज्ञानिक,
पोखरण के थे वो नायक।।

दृष्टिकोण ही बदलता है,
समस्याओं का स्वरुप।
यह बतलाकर हम सबको,
किया सद्विचारों से अभिभूत।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी- 1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3594

दिनांक- 17.12.2021 दिन- शुक्रवार

जीवन

समय सदा न रहे एक सा,
जीवन है छाँव और धूप।
जीवन, काल, और मनुष्य,
सभी बदलते अपना रूप।।

कठिन समय हो न घबराएँ,
डटकर करते रहें सामना।
वो जीवन भी जीवन क्या,
जहाँ संघर्षों का नाम ना।।

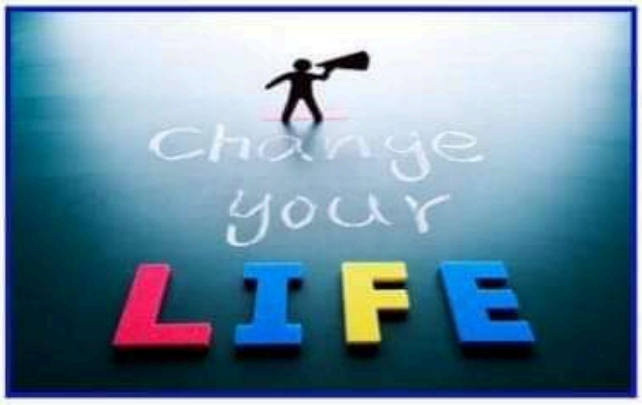

तपकर ही निखरता जो,
है बनता वही खरा सोना।
स्वर्णिम गाथा होती उनकी,
माने हालात से कभी हार ना।।

चट्टान सी रखना दृढ़ता,
जीवन पथ पर बने रहना ।
पग तनिक न डगमगाये,
सत्य मार्ग पर अड़े रहना।।

रचना

अनुपमा यादव (स०अ०)
प्रा० वि० जिरसमी प्रथम
वि० क्षे०- शीतलपुर, एटा

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3595

दिनांक- 17/12/2021 दिन- शुक्रवार

सपनों की उड़ान

हम नन्हें बालक बेसिक के,
बदला हमारी शिक्षा का स्वरूप।
मिले पंख हमारे सपनों को,
भरेंगे हम भी ऊँची उड़ान जरूर।।

हर रोज लाते हैं शिक्षक,
एक नया नवाचार खूब।
लगता है पढ़ाई में अब,
हम बच्चों का मन भी खूब।।

कभी क्विज प्रतियोगिता,
कभी खेल और कभी पढ़ाई।
नित होती है नयी-नयी जिज्ञाषा,
अब नही लगती बोझ पढ़ाई।।

कहानी, कविता और विज्ञान,
सबसे मिलता ज्ञान का भण्डार।
गुणी हमारे शिक्षक गड़ रहे,
हमारे भावी जीवन का आधार।।

रचना

रचना रानी शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8), नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3596

दिनांक- 17/12/2021 दिन- शुक्रवार

मेरी माँ

माँ मुझे तुमसे है कुछ बोलना,
तुमने सिखाया मुझे डोलना।
माँ मुझे तुमसे है कुछ बोलना,
तुमने सिखाया मुझे खेलना।।

माँ मैं जब भी रोया,
तुमने है मुझे हँसाया।
तुमने मेरी आँखों में देखा आँसू,
तुमने खुद के आँसू है बहाया।।

रात भर हो जागती तुम,
लोरियाँ हो सुनाती तुम।
देखती हो जब मुझे दुखी,
मुझे प्यार से हो सँभालती।।

माँ तुझसे ही मेरा जीवन है,
माँ तुझसे ही मेरा दर्पण है।
माँ तू ही मेरे जीवन की डोर,
माँ तुझसे ही मेरी शाम और भोर।।

रचना

दुर्गा पाण्डेय (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3597

दिनांक- 17.12.2021 दिन-शुक्रवार

खुशी

हम दूसरों की खुशी का कारण बनें,
दूसरों की आँखों के तारे बनें।
हम अकारण भी मुस्कुराते रहें,
गाते रहें सदा गुनगुनाते रहें।।

प्रभु! सुख में कभी ना इठलावें,
दुःख में कभी ना घबरावें।
प्रभु हम इतने समभाव रहें,
मन में ना कोई दुर्भाव धरें।।

प्रभु! मन में कोमलता धरें,
सब चीजों से प्रेम करें।
ना हो बैर किसी के प्रति,
सबके प्रति समता भाव धरें।

प्रभु! हम इतने खुशनुमा बनें,
कि खुशियाँ खुद हमको चुनें।
बाँटें हम खुशियाँ ही खुशियाँ,
ना रोते कटें किसी की रतियाँ।।

रचना
डॉ० भावना जैन (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3598

दिनांक- 17/12/2021 दिन- शुक्रवार

भारत देश

हमारा प्यारा भारत देश,
जान से प्यारा भारत देश।
है वीर जवानों का सन्देश,
हम जीतेंगे हर एक रेस।।

हमको बस जीत प्यारी है,
भारत की महिमा न्यारी है।
पहले तो हम लड़ते नहीं,
जो छेड़े फिर पीछे हटते नहीं।।

शान्ति के पैगाम सुनाते हैं,
सारे जग में शान्ति चाहते हैं।
युद्ध हैं अशान्ति का प्रतीक,
साथ रहकर मिलती जीत।।

भारत पर जान छिड़कते हैं,
दुश्मनों से कभी न डरते हैं।
हमने भारत जान से प्यारा है,
प्यार से जीता जहाँ सारा है।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन,
मिश्रिख, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3599

दिनांक- 18/12/2021 दिन- शनिवार

अम्मा मैं भी स्कूल जाऊँगा

अम्मा मैं भी स्कूल जाऊँगा,
ख़ूब नाम तेरा कर जाऊँगा।
मुझे न मजदूरी के बोझ में दबा,
पढ़कर तेरा बोझ कम कर जाऊँगा॥

मैं भी खुद को पहचानूँ,
अपनी क्षमता को जानूँ।
मत भेजो मुझे खेतो में,
अम्मा मैं भी स्कूल जाऊँगा॥

अगर मैं ना जाऊँ स्कूल,
मुझे तू प्यार से समझा।
ड्रेस पहनाकर अच्छी-अच्छी,
अच्छे नागरिक का कर्त्तव्य निभा॥

मैं भी राष्ट्रीय निर्माण हूँ,
पढ़े बिना ना रह पाऊँगा।
स्कूल भी मुझे रोज़ बुलाए,
अम्मा मैं भी स्कूल जाऊँगा॥

रचना-
फराह नाज़ (स०अ०)
प्रा० वि० आलमपुर,
जगत, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान,
शिक्षक का सम्मान,
मानवता का कल्याण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

3600

दिनांक- 18.12.2021 दिन- शनिवार

आओ जानें पौधे के भाग

भाग-02

तने के ऊपर लगी हुयी है हरी-हरी,
कहलाये जो पत्ती सुन्दर सी सँवरी।
क्लोरोफिल के कारण है हरा रंग,
पौधे का है एक आवश्यक अंग।।

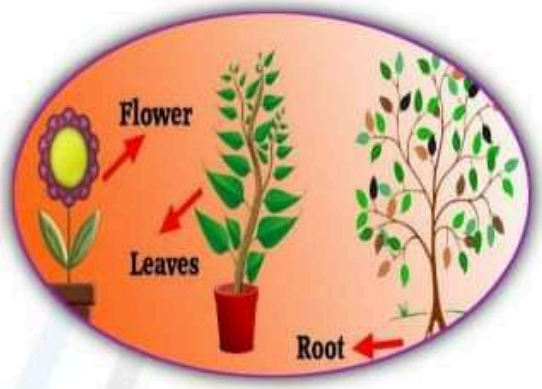

पौधे का है सबसे सुन्दर अंग,
फूल कहें जिसे, होते जो बहुरंग।
चार भाग हैं इसके तुम्हें बताएँ,
बाह्य दल, दलपुंज, पुंकेसर, स्त्रीकेसर कहलाएँ।।

फूलों से परिपक्व होकर फल बनते,
भोजन सब प्राणी हैं इसी से पाते।
फलों के भीतर बीज रहते हैं बनते,
बीजों को बोकर नये पौधे हैं बनते।।

पौधे के हर भाग को हमने जाना,
हर अंग का है नाम सही पहचाना।
कल पौधे का चित्र बनाकर लाना,
और तब होगा, पाठ का फिर दोहराना।।

रचना

शिखा वर्मा (इं0प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

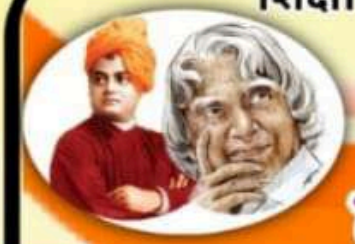

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429